



मन की बात में बोले पीएम मोदी ‘वोकल फॉर लोकल’ को बना लीजिए खरीदारी का मंत्र...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के 126वें संस्करण को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती है। गांधीजी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद, खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी, लेकिन बीते 11 साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ा है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि 2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी सामान जरूर खरीदें और गर्व से कहें ये स्वदेशी हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि एक संकल्प लेकर आप अपने त्योहारों को और खास बना सकते हैं। अगर हम ठान लें कि इस बार त्योहार सिर्फ स्वदेशी चीजों से ही मनाएंगे, तो हमारे उत्सव की रौनक कई गुना बढ़ जाएगी। 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बना दीजिए। ठान लीजिए, हमेशा



के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसे देश के लोगों ने बनाया है, वही घर ले जाएंगे। भूपेन हरजारिका को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब देश भूपेन हरजारिका की जन्म शताब्दी मना रहा है, वहीं कुछ दिन पहले एक दुःखद क्षण भी आया। जुबिन् गर्ग के अस्मात्मायिक निधन से लोग शोक में हैं। असम की संस्कृति से उनका गहरा जुड़ाव था। जुबिन् गर्ग हमेशा हमारी स्मृतियों में रहेंगे और उनका संगीत आने

वाली पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करता रहेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को याद करते हुए पीएम ने कहा कि फर 100 साल से बिना थके, बिना रुके, राष्ट्र सेवा के कार्य में लगा हुआ है। इसीलिए हम देखते हैं, देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आए, फर के स्वयंसेवक सबसे पहले वहां पहुंच जाते हैं। लाखों लाख स्वयंसेवकों के जीवन के हर कर्म, हर प्रयास में राष्ट्र प्रथम की यह भावना हमेशा सर्वोपरि रहती है। मैं राष्ट्रसेवा के महायज्ञ में स्वयं को समर्पित कर रहे प्रत्येक स्वयंसेवक को अपनी शुभकामनाएं अर्पित करता हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले कुछ ही दिनों में हम विजयादशमी मनाने वाले हैं। इस बार विजयादशमी एक और वजह से बहुत विशेष है। इसी दिन गर्ग के अस्मात्मायिक निधन से लोग शोक में हैं। असम की संस्कृति से उनका गहरा जुड़ाव था। जुबिन् गर्ग हमेशा हमारी स्मृतियों में रहेंगे और उनका संगीत आने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली में 'आई लव मोहम्मद' अभियान के समर्थन में शुक्रवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में मौलवी तौकीर रजा खान की गिरफ्तारी के एक दिन बाद रविवार को जिले में शांति रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अराजकता की किसी भी हरकत के ऐसे नतीजे होंगे, जिन्हें ऐसा करने वालों की आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।

बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद 'आई लव मोहम्मद' अभियान का आह्वान करने वाले इतेहाद-ए-मिल्लत कार्डसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खान की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न स्थिति को नियंत्रित करने के लिये रविवार को भी कड़ी सुरक्षा के बीच व्यापक पुलिस गश्त और फ्लैग मार्च किया गया। इस रविवार को पुलिस ने शान्ति बंग करने की कोशिश करने वालों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अराजकता की किसी भी हरकत के ऐसे परिणाम होंगे, जिन्हें ऐसा करने वालों की पीढ़ियां भी याद रखेंगी। मौलाना तौकीर रजा खान की शनिवार को गिरफ्तारी के बाद शाहजहांपुर, पीलीभीत और अन्य जिलों में प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

खान को शुक्रवार को बरेली के कोतवाली क्षेत्र में जुमे की नमाज के बाद एक मस्जिद के बाहर लोगों की भीड़ और पुलिस के बीच झड़प के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। भीड़ खान द्वारा प्रस्तावित प्रदर्शन को रद्द किए जाने से कथित तौर पर नाराज थी। खान ने दावा किया था कि जिला प्रशासन ने प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी थी। अधिकारियों ने बताया कि खान सहित 180 नामजद और 2500 अज्ञात 'दंगाइयों' के खिलाफ

- बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुआ था विरोध प्रदर्शन
- मौलाना तौकीर रजा खान की शनिवार को गिरफ्तारी के बाद शाहजहांपुर, पीलीभीत और अन्य जिलों में प्रशासन हाई अलर्ट पर



कोतवाली, प्रेमनगर, बारादरी, कैट और किला समेत शहर भर के विभिन्न थानाक्षेत्रों में हिंसा भड़काने, तोड़फोड़, दंगा, पथराव व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में विभिन्न धाराओं के तहत 10 मामले दर्ज किये गये हैं। उन्होंने बताया कि दोषियों को पकड़ने के लिए रात भर घर-घर छापेमारी की गई।

अधिकारियों ने बताया कि रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, बदायूं, संभल, बिजनौर, अमरौहा और फतेहगढ़ सहित पड़ोसी जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि इन जिलों में मौलाना तौकीर रजा खान के बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बरेली में भी इंटरनेट सेवाओं को 48 घंटों के लिए निलंबित कर दिया गया और अति संवेदनशील दरगाह-ए-आला हजरत के आसपास के इलाके को सुरक्षा किले में तब्दील कर दिया गया। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया, 'पुलिस ने शुक्रवार रात से शनिवार तक 39 दंगाइयों को गिरफ्तार किया है।' उन्होंने बताया कि मौलाना तौकीर रजा खान और सात सह-आरोपियों को शनिवार को अदालत में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज

दिया गया। हालांकि बाद में रजा खान को फतेहगढ़ केंद्रीय कारागार भेज दिया गया। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी, अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय साहनी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य और अपर पुलिस अधीक्षक मानुष पारीक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को कानून-व्यवस्था पर कड़ी नजर रखने के लिए अति संवेदनशील इलाकों का दौरा किया। उपमहानिरीक्षक साहनी ने बताया कि शहर में तोड़फोड़ में शामिल लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

साहनी ने संवाददाताओं को बताया, 'गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से बोलतें, कारतूस, पुरानी चप्पलें और बोरियों में भरी ईंटें बरामद की गईं। शहर में शांति है और सात हजार पुलिसकर्मी और अर्द्धसैनिक बल शहर में तैनात हैं। रविवार को शहर में कहीं से भी किसी अग्रिम घटना की सूचना नहीं मिली है।' इस बीच, मुख्यमंत्री ने बलारामपुर में कहा, 'अगर कोई त्योहारों के आनंद और उत्साह के दौरान उत्पन्न मचाये की कोशिश करेगा तो उसे इसकी ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी कि आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।' उन्होंने कहा, 'गजवा-ए-हिंद

हिंदुस्तान की धरती पर नहीं होगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना करना या उसका सपना देखना भी नरक के टिकट का रास्ता बना देगा। अगर कोई नरक जाना चाहता है तो वह गजवा-ए-हिंद के नाम पर अराजकता फैलाने की कोशिश करे।' आदित्यनाथ ने कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा, 'जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, जो कोई भी किसी राह चलने वाले पर हमला करेगा, जो कोई भी किसी बेटी पर बुरी नजर डालेगा और... जो कोई भी त्योहारों के दौरान पत्थरबाजी करेगा, हम उसे नरक का एकतरफा टिकट देंगे।' आदित्यनाथ ने कहा, 'लातों के भूत बातों से नहीं मानते। उन्हें लगता है कि सरकार उनके आगे झुक जाएगी लेकिन पहले दिन से ही 'डबल ईजन' वाली सरकार अपराध, अपराधियों, देशद्रोहियों और राष्ट्रद्रोहियों के प्रति कोई नरमी नहीं बरतने की नीति पर प्रतिबद्ध है।' उन्होंने कहा, 'ये लोग यह भी नहीं जानते कि आस्था के प्रतीक सम्मान के पात्र हैं, प्रेम के नारे लगाने के नहीं। आस्था चौराहे पर प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि अंतरात्मा का विषय है।' इस बीच,

बरेली से सटे शाहजहांपुर जिले के पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बरेली में हुई हिंसा के मद्देनजर पुलिस सोशल मीडिया मंचों पर कड़ी नजर रख रही है।

शाहजहांपुर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर को आपत्तिजनक तरीके से पेश करके 'फेसबुक' पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि निगोही क्षेत्र में आज राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर विकृत करते हुए एक पोस्ट सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर डाले जाने का मामला सामने आया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में सुमित मिश्रा नामक व्यक्ति की शिकायत पर एक मामला दर्ज करके सोहेल कुशैशी नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि खुटार क्षेत्र में इस्करा नामक व्यक्ति को मुख्यमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के आरोप में एक मामला दर्ज करके उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। द्विवेदी ने बताया कि पड़ोसी जिले बरेली में शुक्रवार को 'आई लव मुहम्मद' मामले पर प्रदर्शन को लेकर हुए बवाल के बाद सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है।

हालांकि समाजवादी पार्टी (सपा) के जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा कि शाहजहांपुर अपनी गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है और यह अब भी कायम है मगर कुछ लोग मुस्लिम समुदाय के खिलाफ लगातार भड़काऊ पोस्ट डालकर शहर का माहौल खराब करना चाहते हैं।

पेपर लीक प्रकरण: उत्तराखंड सरकार ने जांच के लिए एसआईटी गठित की

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा के प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने को लेकर प्रदर्शनों के बीच राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) गठित की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी सरकार नकल जिहादियों को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी।



यह एक माह में अपनी रिपोर्ट देगी। बर्धन ने कहा कि राज्य सरकार के लिए छात्रों का हित सर्वोपरि है और आम जनमानस और छात्रों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और शुचिता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच के लिए यह भी निर्णय लिया गया है कि यह एसआईटी, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की पूर्ण निगरानी में कार्य करेगी। मुख्य सचिव ने कहा कि एसआईटी द्वारा यह जांच प्रक्रिया

एक माह में पूर्ण की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि राज्य सरकार हरिद्वार स्थित संबंधित परीक्षा केंद्र में तैनात कक्ष निरीक्षक या सुपरवाइजर या किसी भी अन्य उस व्यक्ति के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी जिसकी लापरवाही की वजह से यह घटना हुई। उन्होंने कहा

कि राज्य सरकार, यूकेएसएसएससी से भी अनुरोध करेगी कि जब तक यह जांच पूरी न हो तब तक के लिए इस परीक्षा के संबंध में आगे कोई कार्यवाही न की जाए। आयोग द्वारा रविवार को आयोजित स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र के तीन पन्नों की फोटो के 'स्क्रीनशॉट' सोशल मीडिया पर सामने आए थे, जिनमें फोटो लिए जाने का समय परीक्षा शुरू होने के कुछ ही देर बाद का दिखाई दे रहा था। इस मामले में पुलिस ने परीक्षा में अभ्यर्थी के रूप में शामिल हुए मुख्य आरोपी खालिद मलिक और उसकी बहन साबिया को हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, खालिद ने हरिद्वार में पथरी क्षेत्र के बहादुरपुर जट गांव में स्थित आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्र से प्रश्नपत्र की फोटो खींचकर अपनी बहन साबिया को भेजी थी जिसने टिहरी की एक सहायक प्रोफेसर सुमन को वे प्रश्न भेजकर उनके उत्तर हासिल किए।

दिल्ली सरकार 100 स्वचालित पार्किंग सुविधाएं निर्मित करने की योजना बना रही : मुख्यमंत्री



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ग्रेटर कैलाश (जीके) में मल्टीलेवल 'शटल-टाइप' पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया और कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी की पार्किंग समस्या का 'स्थायी समाधान' करने के लिए शहर भर में ऐसी करीब 100 सुविधाओं का निर्माण करने की योजना बना रही है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा 63.74 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस अत्याधुनिक पार्किंग में 399 वाहनों को रखने की व्यवस्था है और इसका उद्देश्य दक्षिणी दिल्ली के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक में यातायात जाम कम करना है। उद्घाटन समारोह में गुप्ता ने कहा, हवाई दिल्ली में पार्किंग एक बड़ी समस्या है। इससे ट्रैफिक जाम लगता है और लोगों के बीच विवाद होते हैं। हमारी सरकार इस

समस्या के समाधान के लिए तकनीक आधारित उपायों पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य शहर के विभिन्न हिस्सों में लगभग 100 स्वचालित पार्किंग सिरटम स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने आवासन दिया कि नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के लिए धन की कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि 'शटल' और 'पजल' पार्किंग जैसी परियोजनाएं लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों को दूर करने में मददगार साबित होंगी। सांसद बांसुरी स्वराज ने इस सुविधा को 'दिल्ली के विकास का नया अध्याय' बताया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने शनिवार को राजपूताना राइफलस् रजिमेंटल सेंटर में एक फुटऑवर ब्रिज की आधारशिला रखी।

EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और मुफ्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से

“ इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा। ”
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज ही सख्खिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केंद्र सरकार का अनुदान (₹.)	राज्य सरकार का अनुदान (₹.)	कुल अनुसमर्थन अनुदान (₹.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (₹.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (₹.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए
ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाएं।
@ **7%*** Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333
www.easysolarsolutions.com

त्योहारों पर डाला खलल तो शरारती तत्वों की खैर नहीं: जे. रविंद्र गौड़



यू.पी. ऑब्ज़र्वर



गाजियाबाद। कमिश्नरेट में कानून-व्यवस्था की स्थिति में लगातार सुनार के लिए पुलिस आयुक्त हर संभव प्रयासरत रहते हैं। अब आगामी त्योहारों को लेकर भी पुलिस आयुक्त ने सख्त लहजे में अपराधियों व शरारती तत्वों को चेतावनी दी है कि यदि किसी भी प्रकार का खलल डालने का प्रयास किया गया तो उनकी खैर नहीं होगी। इसी क्रम में शुक्रवार को जुम्मे की नमाज होने व आगामी त्योहारों को लेकर सभी थाना क्षेत्रों में एसीपी के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान लोगों से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने के साथ साथ शरारती तत्वों के बारे में पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। फोर्स ने भीड़भाड़ वाले बाजारों में भी पैदल गश्त किया। कमिश्नरेट गाजियाबाद में शुक्रवार को जुमा की नमाज के मद्देनजर सिटी जोन, ट्रांस हिंडन जोन और ग्रामीण जोन में सभी एसीपी ने फोर्स के साथ मस्जिदों के आसपास पैदल मार्च किया। इसके अलावा भीड़भाड़ वाले बाजार और

मिश्रित आबादी व संवेदनशील स्थानों पर पैदल मार्च कर लोगों से संवाद किया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील की। साथ ही शरारती तत्वों के बारे में पुलिस को सूचना देने की अपील की। सबसे बड़े देहात जोन के डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी और एसीपी वेवसिटी प्रियाश्री पाल ने फोर्स के साथ पैदल मार्च किया। उधर, एसीपी मोदीनगर, एसीपी लोनी, एसीपी अंकुर विहार, एसीपी कोतवाली ने भी फोर्स के साथ मसूरी, लोनी, कैला भट्टा, इंद्रपुरी, समेत अन्य स्थानों पर पैदल मार्च किया। ट्रांस हिंडन एरिया में एसीपी साहिबाबाद, एसीपी इंदिगपुरम, एसीपी शालीमार गार्डन ने भी अपने-अपने सर्किल में अर्थला, शहीदनगर, खोडा, फरूखनगर में पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया। इस दौरान ज़ोन से भी निगरानी की गई। एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। चैकिंग अभियान जारी है शरारती तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने साहिबाबाद मंडी प्रकरण में 70 दुकानों को मिले निरस्तीकरण के नोटिस किए कैंसिल

डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्णय से खिले सब्जी मंडी के आढ़तियों के चेहरे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। साहिबाबाद मंडी समिति में 70 दुकानों को पिछले माह मण्डी सचिव साहिबाबाद द्वारा नोटिस दिये गये थे, जिसके सम्बंध में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में मण्डी सचिव सहित सम्बंधित अधिकारियों एवं आड़तियों की निर्णायक बैठक महात्मा गांधी सभागार में आयोजित हुई। बैठक के दौरान मण्डी सचिव सुनील कुमार शर्मा द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि दुकानों के आवंटन का अधिकारी दुकान आवंटन समिति जिसके अध्यक्ष जिलाधिकारी हैं, के पास निहित है। समिति द्वारा आवंटित दुकानों का आवंटियों द्वारा हस्तांतरण नहीं किया जा सकता साथ ही आवंटित दुकानों का क्रय-विक्रय नहीं किया जा सकता है। यदि किसी को दुकान नहीं रखनी है तो वह समिति को समर्पित कर दें और उसके उपरान्त समिति अध्यक्ष महोदय द्वारा दुकानों का फिर आवंटन किया जा सके। जिन दुकानदारों द्वारा स्वयं ही दुकानों को हस्तांतरित या क्रय-विक्रय किया गया



उन सभी आवंटियों व दुकान संचालन करने वाले दुकानदारों को नोटिस दिये गये हैं। दुकानदारों एवं आवंटियों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि 2008 से पूर्व आवंटित दुकानों के हस्तांतरण व क्रय-विक्रय ना करने सम्बंधित कोई भी नियम नहीं था, दुकान हस्तांतरित कराने का मण्डी सचिव के पास अधिकार निहित थे। अतः महोदय से निवेदन है हमारे साथ न्याय किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा सभी के बयानों को ध्यानपूर्वक सुना गया। जिसके उपरान्त जिलाधिकारी ने निर्णय लेते हुए मण्डी सचिव को निर्देशित किया कि दिये गये नोटिस को तत्काल प्रभाव से वापस लिये जाएं।

साथ ही विभागीय मुख्यालय से उक्त के सम्बंध में मार्ग दर्शन प्राप्त करते हुए उन्हें सूचित किया जाए, उसके बाद ही किसी कार्यवाही पर निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने आवंटियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा दिये गये बयान के अनुसार 2008 से पूर्व मण्डी सचिव के पास हस्तांतरण सम्बंधित अधिकार निहित है, से सम्बंधित दस्तावेज प्रस्तुत करें।

जिलाधिकारी के निर्णय से आड़तियों में खुशी की लहर आ गयी, उन्होंने जिलाधिकारी की वाह-वाही करते हुए तालियां बजाई, जिससे पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। प्रत्येक व्यापारी

बिना अनुमति के न लगाये जाएं टावर: रविन्द्र कुमार मांदड़

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ द्वारा प्रत्येक कार्यदिवस की तरह जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया व गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान टावर सम्बंधित पूर्व की एक शिकायत में शिकायतकर्ता द्वारा जिलाधिकारी से निवेदन किया गया कि आपके निर्देशानुसार छत पर टावर लगाने का कार्य रूक गया था किन्तु अब फिर टावर लगवाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने एसएचओ कविनगर को त्वरित कार्यवाही करते हुए टावर लगाने के कार्य को बंद कराने के लिए निर्देशित किया। कहा कि टावर लगवाने के लिए विभाग से अनुमति लेनी होती है और उक्त मामले में किसी भी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गयी है। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी द्वारा मीडिया बन्धुओं को अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं



स्वावलम्बन के लिए शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान 5.0 (फेज-05) का शुभारम्भ किया गया, जिसका जनपद में सफल आयोजन एवं संचालन किया जाना है। जिसके क्रम में 26 सितम्बर को "शक्ति कक्षा" का आयोजन किया गया, इसके साथ ही 27-28 को "शक्ति खेल स्पर्धा", 29 सितम्बर को "शक्ति सम्मान समारोह" व 30 सितम्बर (दुर्गा अष्टमी) को "शक्ति कन्या पूजन" जनपद में वृहद स्तर पर आयोजित किये जायेंगे। महिलाओं एवं बालिकाओं को एक स्वतंत्र, स्वच्छ, सुरक्षित, सम्मानजन माहौल में रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, अतः मिशन शक्ति 5.0 के सफल संचालन हेतु वृहद स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार करते हुए जागरूकता फैलाई जाए।

जिलाधिकारी की तारीफ करने में नहीं चूक रहा था। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट

डॉ. सन्तोष कुमार उपाध्याय, आईएएस योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अयान जैन, जिला सूचना अधिकारी

निगम के प्राकृतिक पेंट प्लांट का महापौर व नगर आयुक्त ने किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गोबर से बनाए जा रहे पेंट प्लांट का महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा उद्घाटन किया गया। मौके पर न्यू यॉर्क से आए हुए ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंजर 2025 की टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा प्राकृतिक पेंट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई जिसमें गोबर की समस्या से शहर को निजात दिलाने तथा गोबर का सदुपयोग के बारे में निगम की प्लानिंग को भी साझा किया गया। महापौर द्वारा निगम अधिकारियों तथा उपस्थित जनों को पायलट प्रोजेक्ट के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दी गई, तथा ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंजर 2025 की तीन सदस्यों की टीम कभी गाजियाबाद आगमन पर स्वागत किया गया। महापौर द्वारा बताया गया गाजियाबाद नगर निगम गोबर प्रबंधन की चुनौती का समाधान कर रहा है। जिसे अगर अन्दरूण किया जाए तो अक्सर नालियों और सीवर जाम हो जाती हैं। एक स्थायी समाधान के रूप में गोबर को एक जैविक उत्पाद प्राकृतिक पेंट में परिवर्तित किया जा रहा है। जिसके किसी भी प्रतिष्ठान की छतों व दीवारों पर लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। गोबर के प्राकृतिक शीतलन गुणों का



लाभ उठाते हुए यह पेंट छतों के तापमान को 2-3°C तक कम कर सकता है, जिससे शहरी वातावरण ठंडा और अधिक आरामदायक हो सकता है। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया नगर निगम डिस्ट्रेट में 40% इमल्शन में 30% व गोबर की मात्रा डालकर पेंट बना रहा है, पायलट प्रोजेक्ट में प्राकृतिक पेंट का इस्तेमाल सरकारी संस्थानों में करने के साथ-साथ गाजियाबाद नगर निगम द्वारा बांडिंग भी की जाएगी तथा निगम की आय बढ़ाने के लिए भी योजना बनाई जा रही है।

गोबर से पेंट बनाने के प्रबंधन हेतु स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं की मदद से किया जा रहा है जिसमें अब तक 2 सत्र आयोजित किए जा चुके हैं व 25 से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) समूह की इसमें भागीदारी कर रही है। इस पेंट का उपयोग सरकारी स्कूलों की छतों पर इको-पेंट का प्रयोग कर छोटे छोटे बच्चों के रंगों से दूर रखने में भी किया जा सकता है। इस पेंट से अत्यधिक गर्मी को सोखने की क्षमता दिखाई गई है, व छात्रों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद के लिए गाजियाबाद के स्कूलों की छतों पर प्राकृतिक पेंट लगाने का फैसला भी किया है व उच्च परावर्तक क्षमता प्रोटोटाइपिंग और परीक्षण के दौरान हमने देखा है कि पेंट गर्मी को प्रभावी ढंग से परावर्तित करता है। जिससे इसका शीतलन प्रभाव बढ़ जाता है। गाजियाबाद नगर निगम जो की ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंजर 2025 में निहित हुआ गाजियाबाद का मान भी बढ़ा। इसी क्रम में प्राप्त हुए 50 लाख की धनराशि का इस्तेमाल करते हुए गाजियाबाद नगर निगम कार्यवाही को आगे बढ़ा रहा है।

मिशन शक्ति टीम को महापौर व नगर आयुक्त ने किया सम्मानित

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला पुलिस को महापौर ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गाजियाबाद पुलिस ने संगठित अपराध, माफियागिरी और अवैध वसूली पर सख्त प्रहार किया है। मुठभेड़ों के साथ ही सम्पत्ति कुर्की, रैगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही और एनएसए जैसे कानूनों के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। गाजियाबाद पुलिस की त्वरित कठोर और साहसिक कार्यवाही ने अपराधियों को गाजियाबाद छोड़ने पर मजबूर कर दिया है और गाजियाबाद अब भयमुक्त और सुरक्षित जनपद के रूप में अपनी पहचान को सशक्त कर रहा है।



इसी क्रम में दिल्ली एवं रंगदारी, भय व आतंक का प्रतीक बना पचास हजार रुपए का ईनामी दुर्दांत अपराधी व हिस्ट्रीशीटर बदमाश बलराम पुत्र श्याम सिंह को 20 सितम्बर की रात्रि को थाना वेब सिटी, बाजियाबाद में हुई मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बदमाश द्वारा पुलिस को जान से मारने की नियत से गोली

चलाने के उपरान्त क्राइम ब्रांच स्वाट टीम के कुछ पुलिस कर्मियों के घायल होने के बाद भी अपनी जान की परवाह न करते हुए अदम्य साहस व शौर्य का प्रदर्शन करते हुए मार गिराया। 22 की रात्रि को श्रीमती उपासना पांडेय, सहायक पुलिस आयुक्त, नन्दग्राम के कुशल पर्यवेक्षण में महिला थानाध्यक्ष रीतु त्यागी एवं उनके साथी महिला पुलिसकर्मियों द्वारा एक शांति अपराधी जितेन्द्र पुत्र नन्दकिशोर निवासी कुएं वाली गली सैक्टर-9 थाना विजयनगर, गाजियाबाद को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में

गिरफ्तार किया गया। जिससे शहर के व्यापारी एवं आम जमानस का कानून-व्यवस्था पर भरोसा बढ़ा है और साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए मिशन शक्ति 5.0 के क्रम में महिलाओं का मनोबल बढ़ा है। महापौर व नगर आयुक्त ने सभी पुलिसकर्मी महिलाओं व पुरुषों को प्रशस्ति पत्र व शॉल उड़ाकर सम्मानित किया व बताया कि पुलिस आयुक्त जे रविन्द्र गौड़ जी की टीम के द्वारा उक्त साहसिक कृत्य को भूई-भूई प्रशंसा की जाती है व आशा है कि भविष्य में भी आप कर्तव्य सम्पादन में इसी प्रकार



महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। और महिला पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में यह पहला कारनामा किया गया है। जिसकी प्रशंसा करनी चाहिए इससे कार्य में महिला पुलिस का बल बढ़ेगा और सामने वाले अपराधी में डर रहेगा कि महिला पुलिस खड़ी है गोली भी मर सकती है। इस कार्यक्रम में अपर पुलिस उपायुक्त क्राइम पीयूष कुमार सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम उपासना पांडेय, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथलेश कुमार, मुख्य अभियंता एन के चौधरी, प्रभारी स्वाट टीम अनिल

कुमार राजपूत, नंदग्राम महिला थाना अध्यक्ष ऋतु त्यागी, उपनिरीक्षक स्वाट टीम सुनीत मलिक, उपनिरीक्षक स्वाट टीम पूरन सिंह, मुख्य आरक्षी स्वाट टीम मनोज कुमार, वरुण वीर सिंह, विशाल राठी, संदीप कुमार, पुष्पेश शुकला, बालेन्द्र कुमार आरक्षी हमराह, उप निरीक्षक महिला थाना विनीता यादव, भुवनेश्वरी, मुख्य आरक्षी ममता, नीतू आदि उपस्थित रहे।

तुलसी निकेतन योजना के भवनों के री-डवलपमेंट प्लान को लेकर हुई बैठक प्राधिकरण उपाध्यक्ष के समक्ष पदाधिकारियों ने दिया प्रस्तुतिकरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में शुक्रवार को तुलसी निकेतन योजना के भवनों के री-डवलपमेंट योजना की दिशा में एनबीसीसी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान एनबीसीसी के पदाधिकारियों के द्वारा योजना के री डवलपमेंट प्लान का प्रस्तुतिकरण किया गया। एनबीसीसी के पदाधिकारियों के द्वारा अवगत कराया

गया कि योजना में री डवलपमेंट का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। मुख्यतः प्रथमचरण के दौरान प्री-फिजिबिलिटी स्टडी की जाएगी। अगले आठ सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्राधिकरण को सौंपी जाएगी। द्वितीय चरण में संपूर्ण डीपीआर पेश करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया जायेगा। प्री फिजिबिलिटी स्टडी के रिपोर्ट के बाद यदि एनबीसीसी से एसओयू के शर्तों में यदि किसी तरह के बदलाव की संभावना होती है तो संशोधन करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक के



दौरान प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने कहा कि

तुलसी निकेतन योजना के भवनों के री

डवलपमेंट योजना का उद्देश्य किसी तरह की आय हासिल करना नहीं है, ना ही प्राधिकरण दूर तक इस पक्ष में है कि योजना के भवनों में रह रहे किसी परिवार को बेघर किया जाए, यह परियोजना प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के विजन , आपकी योजना का लाभ अंतिम पायदान पर उपस्थित लोगों तक पहुँचनी चाहिए, पर आधारित है। यह योजना 1990 में बसाई गई। इस कॉलोनी में 2292 फ्लैट और 60 दुकानें हैं, जहां करीब 20 हजार लोग रहते हैं।

प्राधिकरण द्वारा कराए गए सर्वे में इन मकानों को रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया गया है। अब जीडीए पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर निजी विकासकर्ताओं के साथ मिलकर 16 एकड़ क्षेत्र में नई बहुमंजिला इमारतें बना कर लोगों रहने लायक आवास मुहैया करायेगा। इस योजना में 2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी मकान शामिल थे, जिन्हें अब आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा।



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आगामी त्योहारों और स्वच्छता अभियान के तहत कमिश्नरेट पुलिस ने कार्यालयों और थानों में साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने अपने अपने कार्यालय और परिसर की सफाई की।

रविवार को एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने पुलिस कार्यालय परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान कमिश्नरेट के सभी थानों, शाखाओं, इकाइयों एवं कार्यालयों में साफ सफाई की गई। एडिशनल सीपी ने बताया कि पुलिस परिवार ने यह संकल्प लिया है कि स्वच्छ और स्वस्थ कार्यस्थल ही

कार्यकुशलता एवं सकारात्मक वातावरण की आधारशिला है। उधर, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने मोहननगर स्थित अपने कार्यालय पर पुलिसकर्मियों के साथ साफ सफाई की। इस दौरान कार्यालय के साथ साथ कार्यालय परिसर में भी सफाई अभियान चलाया गया। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने पुलिसकर्मियों के साथ लोहिया नगर स्थित कार्यालय में सफाई अभियान चलाया और साफ सफाई की।

उधर, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी के नेतृत्व में मुरादनगर स्थित कार्यालय पर सफाई अभियान चलाया गया। इसके अलावा कमिश्नरेट के सभी थानों, एसीपी ऑफिस, पुलिस लाइन, पुलिस ऑफिस समेत अन्य स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया।

रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर शक्ति कक्षा का हुआ मेगा ईवेंट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान 5.0 (फेज-05) का शुभारम्भ किया गया। जिसका जनपद में सफल आयोजन एवं संचालन में गाजियाबाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ द्वारा निर्देशित किया गया। जिसके क्रम में 26

सितम्बर को "शक्ति कक्षा", 27-28 को "शक्ति खेल स्पर्धा", 29 सितम्बर को "शक्ति सम्मान समारोह" व 30 सितम्बर (दुर्गा अष्टमी) को "शक्ति कन्या पूजन" जनपद में वृहद स्तर पर आयोजित किये जायेंगे। मिशन शक्ति के विशेष अभियान 5.0 के अन्तर्गत "शक्ति कक्षा" कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विद्यालयों में प्रधानाचार्या/शिक्षक बन अन्य छात्राओं का ज्ञानवर्धन किया एवं विद्यालय के कुशल एवं अच्छे संचालन के सम्बंध में आवश्यक



विन्दुओं पर अपने विचारों को साझा किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी आंभी यादव ने अवगत कराया कि इस विशेष अवसर पर समस्त 446 परिषदीय

विद्यालय, 23 सहायता प्राप्त विद्यालय एवं 04 कस्तूरबा विद्यालयों की बालिकाओं ने कक्षा शिक्षिका के रूप में पूरे दिन विद्यालय की जिम्मेदारी

संभाली और अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। प्रातःकालीन से ही बालिकाओं ने कार्यक्रम की कमान संभाली। उन्होंने प्रार्थना से लेकर उपस्थिति दर्ज करने, पठन-पाठन कराने, खेल गतिविधियाँ संचालित करने तक सभी कार्य स्वयं किया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास कराना था।

इस अवसर पर निपुण आंकलन भी कराया गया, जिसमें बालिकाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही

उन्होंने बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाया और विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया। इस कार्यक्रम ने बालिकाओं में जिम्मेदारी का भाव, निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना को प्रोत्साहित किया। विद्यालय परिवार को गर्व है कि बालिकाओं ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई और स्वयं को एक सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रस्तुत किया। साथ ही कक्षा 1 से 8 तक के 1241 प्राइवेट विद्यालयों में भी यह कार्यक्रम संचालित किया गया।

यशोदा मेडिसिटी ने किया आपके दिल के लिए भव्य मैराथन का आयोजन

वर्ल्ड हार्ट डे पर रन फॉर योर हार्ट यशोदा हाफ मैराथन 3.0 का आयोजन



गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख अस्पतालों में से एक, यशोदा मेडिसिटी ने यशोदा हाफ मैराथन 3.0 का आयोजन किया। वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर रन फॉर योर हार्ट अभियान के तहत यह कार्यक्रम सुबह 5:30 बजे डॉ. पी.एन. अरोड़ा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा मेडिसिटी, डॉ. उपासना अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर यशोदा मेडिसिटी, अरुण सिंह सांसद और राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा, डीएम रविंद्र कुमार मंदर द्वारा यशोदा मेडिसिटी से फ्लैग-ऑफ किया गया और इसमें समस्त दिल्ली-

एनसीआर समुदाय की उत्साही भागीदारी देखने को मिली। यह यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स का हाफ मैराथन का तीसरा संस्करण है, जिसका उद्देश्य हृदय स्वास्थ्य और प्रिवेंटिव केयर के महत्व पर जागरूकता फैलाना है। स्पेशल ओलंपिक्स भारत ने यशोदा मेडिसिटी के इस उद्देश्य के साथ जुड़कर कार्यक्रम का समर्थन किया। इस वर्ष, कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 4,000+ धावकों ने 21.1 डे, 10 डे, 5 डे और 3 डे की चार श्रेणियों में भाग लिया। बच्चों, वयस्कों और वरिष्ठ नागरिकों

यशोदा हाफ मैराथन ने पेश की एकता की मिसाल: अरुण सिंह

अरुण सिंह सांसद और राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि यशोदा हाफ मैराथन ने समुदाय को फिटनेस और हृदय स्वास्थ्य के उत्सव में एकजुट किया, और नियमित शारीरिक गतिविधि के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर जोर दिया।

को यह भागीदारी स्वास्थ्य और फिटनेस का सामूहिक उत्सव बनी। कार्यक्रम की भावना को और बढ़ाते हुए, स्पेशल ओलंपिक्स भारत के 100+ बच्चों ने भी हिस्सा लिया, जिससे यह मैराथन और भी सार्थक हो गई। यह मैराथन यशोदा मेडिसिटी से शुरू होकर एलीवेटेड रोड से होते हुए अस्पताल परिसर में समाप्त हुई। दौड़

मैराथन में युवाओं का उत्साह देखते ही बनता है: रविंद्र कुमार मंदर
डीएम रविंद्र कुमार मंदर ने कहा कि यशोदा हाफ मैराथन 3.0 में आज प्रतिभागियों द्वारा दिखाई गई ऊर्जा और उत्साह समुदाय की भावना को दर्शाता है। ऐसे प्रयास स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मैराथन एक दौड़ नहीं बल्कि स्वास्थ्य के प्रति सजग करना भी है: डॉ. पीएन अरोड़ा

डॉ. पी.एन. अरोड़ा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर यशोदा मेडिसिटी ने कहा कि यशोदा हाफ मैराथन केवल एक दौड़ नहीं है, बल्कि यह लोगों को अपने हृदय स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करने की पहल है। हमें सभी आयु वर्गों से इतनी मजबूत भागीदारी देखकर बेहद खुशी है और हम ऐसी सामुदायिक पहलों के माध्यम से प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

11,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि प्रथम और द्वितीय

रनर-अप को क्रमशः 7,100 रुपये और 5,100 रुपये मिले। 10 किलोमीटर दौड़ में पहला पुरस्कार 7,100 रुपये, जबकि रनर-अप को 5,100 और 3,100 रुपये प्रदान किए गए। 15 किलोमीटर श्रेणी के विजेताओं को 5,100 रुपये और प्रथम व द्वितीय रनर-अप को क्रमशः 3,100 और 2,100 रुपये का पुरस्कार मिला।

सामुदायिक जुड़ाव के महत्व को बढ़ाती है मैराथन: डॉ. उपासना अरोड़ा

डॉ. उपासना अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर यशोदा मेडिसिटी ने कहा

कि सभी आयु वर्ग के लोग, परिवार, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक फिटनेस और हृदय स्वास्थ्य का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आते हुए देखना बहुत अच्छा था। इस तरह के प्रयास हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं कि हम रोकथाम स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक जुड़ाव के महत्व को बढ़ावा दें। अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए, यशोदा मेडिसिटी यशोदा हाफ मैराथन 3.0 जैसे आयोजनों के माध्यम से हृदय स्वास्थ्य, फिटनेस और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देती रहेगी।

वन नेशन-वन इलेक्शन को लेकर विशाल सम्मलेन आयोजित



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सज कैपस में विशाल सम्मलेन वन नेशन-वन इलेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में चुनाव सुधार, लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती तथा एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में सुनील बंसल राष्ट्रीय महामंत्री भारतीय जनता पार्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुनील बंसल

, आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चेयरमैन एवं पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल मैनेजमेंट ट्रस्टी आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), द्वारा मौलिक संरक्षित की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के सभी संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सुनील बंसल द्वारा सम्बोधित करते हुए कहा गया कि एक राष्ट्र एक चुनाव मॉडल चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित



करेगा और बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले व्यवधानों को कम करके भारत के विकास और समृद्धि को बढ़ावा देगा। इससे एक आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और अप्रत्याशित चुनावी खर्च कम होगा। इस उपाय से होने वाली बचत भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 प्रतिशत के बराबर होगी। इसके अलावा, चुनावों के दौरान आचार संहिता के लगातार लागू रहने से नीति-निर्माण में बाधा आती है और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ता है। अतः यदि हमें अपने देश

खर्चा लगभग 1,400 रुपये हैं। देश में बार-बार होने वाले चुनावों में 4-7 लाख करोड़ रुपये का खर्च आता है। 10 उन्होंने कहा कि एक चुनाव से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और अप्रत्याशित चुनावी खर्च कम होगा। इस उपाय से होने वाली बचत भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 प्रतिशत के बराबर होगी। इसके अलावा, चुनावों के दौरान आचार संहिता के लगातार लागू रहने से नीति-निर्माण में बाधा आती है और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ता है। अतः यदि हमें अपने देश

को विकास की ओर ले जाना है तो एक राष्ट्र-एक चुनाव के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। सम्मलेन के दौरान आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया, कोषाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, एजीक्यूटिव कौंसिल मेंबर डॉ प्रमोद अग्रवाल, संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर, एवं डॉ प्रसून एम त्रिपाठी (निदेशक आईएमएस लाल कुआँ कैम्पस) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जन का धन्यवाद कर किया गया।

राष्ट्रीय लोकदल ने हमेशा खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया: कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद के 'ट्राइडेंट 2.0 क्रिकेट ग्राउंड' पर राष्ट्रीय लोक दल प्रोफेशनल मंच मेरठ के द्वारा 'पावर नेकड ओपन क्रिकेट प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। जिसका फाइनल मैच राइडर्स और खुरांट 11' के बीच खेला गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कुलदीप उज्ज्वल प्रोफेशनल मंच राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविशंकर चड्ढा, विशिष्ट अतिथि बीरपाल मलिक, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अमरजीत सिंह बिड़ड़ी, छात्र लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव बालियान, लोकदल गाजियाबाद के अध्यक्ष रामपाल सिंह, प्रोफेशनल मंच राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अरुण दहिया, जिला उपाध्यक्ष अक्षय



सिसोदिया, खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव पूजा राजपूत, पार्श्व हिमाशु चौधरी, प्रोफेशनल मंच के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित सांगवान आदि थे। दोनों टीमों के बीच मुकाबला शुरू होने से पहले कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री डॉ. कुलदीप उज्ज्वल व अन्य अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय लिया। इस अवसर पर मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेलों के प्रोत्साहन पर ऐतिहासिक काम कर रही है, साथ ही राष्ट्रीय लोकदल ने खेल और खिलाड़ियों को हमेशा

प्रोत्साहन दिया है। हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चौधरी जयन्त सिंह ने अपनी पूरी सांसद निधि खेलों एवं खिलाड़ियों के नाम पर खर्च करने का निर्णय लिया है। फाइनल मैच में खुरांट 11 ने 7 विकेट से सन्डे राइडर्स को हराया। मैच ऑफ द मैच सन्दीप तोमर व दूनार्मेट के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर आकाश तोमर रहे। विनर टीम को 2 लाख का ईनाम व ट्रॉफी दी गई एवं रनर टीम को 1 लाख रुपये व ट्रॉफी दी गई। कार्यक्रम के आयोजक प्रदीप उज्ज्वल एवं रविन्द्र उज्ज्वल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महिलाओं के सशक्तिकरण व आर्थिक उत्थान लिए कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासन के निर्देशानुसार सेवा पक्कावाड़ी और मिशन शक्ति 5.0 के तहत डे-एनयूएलएम के माध्यम से गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आर्थिक उत्थान के दृष्टिगत महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्री की विक्री में सहयोग प्रदान किये जाने के लिए विकास भवन परिसर में दो दिवसीय स्टॉल लगाये गये है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक अजीत पाल त्यागी एवं मयंक गोयल महानगर अध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम में डूडा की ओर से श्रीमती भाग्यिषा



सारस्वत, दीपक कुमार एवं अन्य ने प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में डूडा के 05 समूहों की महिलाओं (बबली, पारूल, गरिमा व अन्य) द्वारा विभिन्न प्रकार की सामग्री के स्टॉल स्थापित किये गये। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले

जनप्रतिनिधि एवं अन्य कर्मचारी ने खरीदारी कर महिलाओं का उत्साह बढ़ाया। यह कार्यक्रम विशेषतः परम्परागत रूप से नवरात्रि एवं दीपावली के अवसर पर बड़ी संख्या में आम जन मानस को घरेलू उपयोग की वस्तुओं के क्रय करने के उद्देश्य से किया गया।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) विजयादशमी 2025 पर अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह शताब्दी वर्ष केवल संघ का उत्सव नहीं, अपितु सम्पूर्ण समाज और राष्ट्र के लिए नवचेतना, आत्ममंथन एवं हृदय संकल्प का ऐतिहासिक अवसर है। संघ एक शताब्दी के अनुभव के साथ राष्ट्रहित और समाजोत्थान के लक्ष्य को और अधिक गति देने के



लिए तत्पर है। इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रथम कार्यक्रम विजयदशमी का रहने वाला है क्योंकि यह संघ स्थापना दिवस भी है।

सुविधा की दृष्टि से इसके लिए 03 तिथियां तय की गई हैं। अर्थात 28 सितंबर, 02 अक्टूबर यानी विजयदशमी के दिन तथा 05 अक्टूबर

को यह कार्यक्रम रहने वाला है। प्रेस वार्ता विद्या मंदिर गाजियाबाद में आयोजित की गई। जिसमें विभाग अखिलेश, कार्यवाह देवेंद्र प्रताप और विभाग संचालक कैलाश मुख् वक्ता के रूप में उपस्थित रहें और व्यवस्था में अन्य स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहें। शताब्दी वर्ष का केन्द्रीय भाव 'पंच परिवर्तन अभियान' में निहित है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाना है। स्वः अनुशासन,

सेवा व कर्तव्यनिष्ठ जीवन अपनाना। **कुटुंब-प्रबोधन:** परिवार को संस्कारित व मजबूत आधार प्रदान करना। **नागरिक कर्तव्य:** उत्तरदायित्वों का निर्वहन और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन जीना। **सामाजिक समरसता:** समानता, भाईचारा और परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना। **पर्यावरण संरक्षण:** प्रकृति, संसाधनों और भविष्य की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील होना।

महानगर के सभी 20 मंडलों में सुना गया प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम मन की बात महानगर के सभी 20 मंडलों के प्रत्येक बूथ पर उत्साहपूर्वक सुना गया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में नवरात्रि, दुर्गा पूजा, छठ पर्व एवं विजयदशमी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए नारी शक्ति का अभिनंदन किया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि, निषाद राज एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी का स्मरण कर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को पुनः रेखांकित किया। मोदी जी ने भगत सिंह और लता मंगेशकर जैसी विभूतियों को नमन करते हुए देशभक्ति और संस्कृति का आह्वान किया। साथ ही दो अक्टूबर को खादी क्रय, वोकरल फॉर लोकल, जीएसटी बचत उत्सव और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। उन्होंने दीपावली महापर्व की शुभकामनाएं भी दीं। सांसद अतुल गर्ग ने सांसद खेल महोत्सव के दौरान बूथ



संख्या 317 वसुंधरा मंडल पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं कार्यकर्ताओं संग मन की बात कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री का संदेश आत्मनिर्भर भारत और स्वच्छ भारत की दिशा में जन-जन को प्रेरित करता है। संगठन की शक्ति बूथ स्तर से ही मजबूत होती है और कार्यकर्ता इसी भावना से जनता तक राष्ट्रहित के संदेश पहुंचा रहे हैं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि मोदी का मन की बात

समाज को जागरूक करने और राष्ट्रहित में जोड़ने का सशक्त माध्यम है। भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाकर प्रधानमंत्री जी के संदेश को घर-घर तक पहुंचा रहे हैं। गोविंदपुरमंडल में रहीसपुर गांव के मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी के घेर बूथ संख्या 272 पर पहुंचे महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने कहा मन की बात केवल संवाद नहीं



बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। यह कार्यक्रम हमें आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत और राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। गाजियाबाद महानगर के सभी मंडलों में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करते हुए सकल्प लिया कि वे आत्मनिर्भर और स्वच्छ भारत निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

मन की बात कार्यक्रम के दौरान रहीसपुर में सुधीर चौधरी, रामवीर चौधरी, सुभाष चौधरी, बाबुराम, अमन, दीपक प्रसाद यादव, राकेश चौधरी, अंकित जडेजा, निक्की, आकाश, अरुण, अंकुर, नितिन सहित वसुंधरा मंडल में महानगर महामंत्री पेप्पू पहलवान, विनीत त्यागी, सतेंद्र चौधरी, अनिल शर्मा, सरदार बलप्रीत सिंह सहित खेल प्रतिभागियों, कार्यकर्ताओं आदि ने उपस्थिति दर्ज कराई।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आज आत्मनिर्भरता और विकास की राह पर अग्रसर है: सतेन्द्र सिसोदिया

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया ने कविनगर मंडल के वेव सिटी स्थित बूथ संख्या 509 पर कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम मन की बात सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मोदी का हर विचार हमें समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति नई ऊर्जा और संकल्प प्रदान करता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मन की बात केवल संवाद नहीं बल्कि जनभागीदारी का सशक्त माध्यम है, जिसने देशवासियों के मनोबल को ऊंचा उठाने का काम किया है। सिसोदिया ने आगे कहा कि भाजपा



कार्यकर्ता बूथ स्तर तक प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं के उत्साह और जनता के सहयोग को संगठन की असली शक्ति बताया। कार्यक्रम का संयोजन प्रमोद चौधरी द्वारा किया गया। प्रमाण के दौरान कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने तालियों एवं नारों से

प्रधानमंत्री जी के विचारों का स्वागत किया, जिससे वातावरण उत्सवमय हो उठा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर, दीपक, संजीव, राजा, कोमल, गुड्डू, अशोक भारती, अरविंद गोयल, कुवरपाल, अशोक राव, भीष्म शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सपनों का घर या धोखाधड़ी

हर किसी का सपना होता है कि शहर में उसका भी अपना एक घर हो। इसके लिए वह अपने जीवन भर की पुँजी लगा देता है। खासकर मध्यम वर्ग के लोग इस सपने को पूरा करने के लिए अपने दैनिक खर्च में कटौती कर बैकों से कर्ज भी लेते हैं। मगर परेशानी तब बढ़ जाती है, जब तय समय पर उन्हें घर नहीं मिल पाता है। जाहिर है यह सब भवन निमाताओं की मनमानी की वजह से ही होता है। ऐसे मामलों में कर्ज देने वाले बैंकों की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। देशभर में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें भवन निमाताओं और बैंकों के बीच साटगांट के आरोप लगे हैं। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाद अब मुंबई, बंगलूरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को छह नए मामले दर्ज करने की अनुमति दी है। सीबीआइ का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस संबंध में संज्ञेय अपराध का मामला बनता है। इसमें दोराय नहीं कि मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बढ़ती महंगाई के इस दौर में शहरों में घर खरीदने के वास्ते रकम जुटाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में बैंकों से कर्ज लेना ही एकमात्र विकल्प होता है। मगर इन्हीं बैंकों के कर्मी अगर भवन निमाताओं के साथ साटगांट कर घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने लगे, तो कर्ज की यह सुविधा ही मुश्किल में डाल देती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस वर्ष जुलाई में दिल्ली-एनसीआर में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोपों से जुड़े मामलों में बैंकों और भवन निमाताओं के बीच साटगांट की गहन जांच के लिए सीबीआइ को बाईस मामले दर्ज करने की अनुमति दी थी। ये मामले एनसीआर में कार्यरत भवन निमाताओं और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के विकास प्राधिकरणों से संबंधित हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाहर की आवास परियोजनाओं की प्रारंभिक जांच करने के लिए सीबीआइ को छह सप्ताह का समय दिया था। दरअसल, शहरों में घर खरीदने वालों के लिए बैंकों ने ब्याज अनुदान योजना शुरू की है। इसके तहत बैंक स्वीकृत राशि सीधे भवन निमाता के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर किस्त का भुगतान करना होता है, जब तक कि आवास खरीदारों को नही सौंप दिए जाते। सर्वोच्च न्यायालय ऐसे 1,200 से अधिक घर खरीदारों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिन्होंने एनसीआर, विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विभिन्न आवास परियोजनाओं में ब्याज अनुदान योजनाओं के तहत आवास बुक किए थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि आवास का कब्जा अभी तक नहीं मिला है और बैंक उन्हें कर्ज की किस्तों का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि बैंक नियमों के विपरीत घर खरीदारों पर दबाव क्यों बना रहे हैं?

आयुर्वेद का शंखनाद, पुनः गुंजायमान स्वर्णिम क्षण की ऐतिहासिक पुनरावृत्ति



आचार्य बालकृष्ण को अमेरिका के प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोध समूह और विश्वप्रसिद्ध प्रकाशक एल्सेवियर द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में पुनः सम्मिलित किया गया है। इस उपलब्धि की ऐतिहासिक पुनरावृत्ति, आचार्य बालकृष्ण जी के लिए व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, अपितु पतंजलि, आयुर्वेद एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिए हर्ष का विषय है।

भारत के सनातन ज्ञान को साक्ष्य-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण के धरातल पर प्रमाणित कर, आचार्य बालकृष्ण जी ने सिद्ध कर दिया है कि अगर प्रबल इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। उनके द्वारा किए गए शोध कार्य, विश्व भर के वैज्ञानिकों के लिए प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से जुड़े भविष्य के शोध कार्यों के लिए मार्ग प्रशस्त करेंगे।

आचार्य जी की अनुसन्धानीय एवं आयुर्वेदिक कार्यों में गहन विशेषज्ञता एवं उनके गतिशील मार्गदर्शन से प्रेरणा लेकर 300 से अधिक शोध लेखों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल्स में किया गया है। आचार्य के सतत निर्देशन में पतंजलि द्वारा 100 से अधिक साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक औषधियों को विकसित किया गया है, जिससे जनमानस को आयुर्वेदिक औषधियों का एक सुगम एवं एलोपैथिक दवाइयों का दुष्प्रभाव रहित विकल्प उपलब्ध हुआ है। योग और आयुर्वेद पर 120 से अधिक पुस्तकों और 25 से अधिक अप्रकाशित प्राचीन आयुर्वेद पांडुलिपियों का लेखन उनके आयुर्वेद के प्रति आस्था एवं समर्पण का परिणाम है। प्राकृतिक जड़ी - बूटियों को हर्बल एनसाइक्लोपीडिया के माध्यम से सूचीबद्ध कर भविष्य की वैज्ञानिक पीढ़ी को एक समग्र कोष प्रदान करने की उनकी दूरदृष्टि विश्वभर के वैज्ञानिक समूहों द्वारा सराहा गया है। विश्व के अनेक देशों की प्रचलित पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों को एक सूत्र में पिरोकर, उत्तराखंड के मालागांव स्थित हर्बल वर्ल्ड के माध्यम से जनमानस के समक्ष प्रस्तुत कर आचार्य जी ने इसे एक ज्ञानवर्धक स्वरूप दिया है, जोकि आर्गुंतुकों के मध्य जागरूकता जगा रहा है। योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि आचार्य बालकृष्ण ने न केवल आयुर्वेद की वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ स्थापित किया है, बल्कि विश्वभर के शोधकर्ताओं के लिए आयुर्वेद में शोध के नए द्वार भी खोले हैं।

विचार-विमर्श

राष्ट्र संस्कृति से साक्षात्कार कराता पं. दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन

भारतीय राजनीति के वृहदाकाश में वैदीयमान पं. दीनदयाल उपाध्याय अपने राष्ट्रीय विचारों और प्रखर चिंतक, विचारक के तौर पर लब्धप्रतिष्ठित हैं। सनातन हिन्दू संस्कृति के मुख्य पक्षधर और तदनुरूप रीति-नीति के आधुनिक राजनीतिक प्रवर्तकों की अग्रगण्य पंक्ति में उनकी गिनती होती है। पंडित जी ने केवल विचार ही नहीं दिए, अपितु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ के माध्यम से विचारों को धरातलीय रूप भी दिया। एकात्म मानव दर्शन और अन्त्योदय जैसे मूल्य जनसंघ से होते हुए वर्तमान भाजपा की नीतियों में स्पष्ट परिलक्षित होते हैं। पण्डित जी विचारकों में प्रतिष्ठित व सुशोभित होने के साथ-साथ ही चिन्तन और दर्शन के बहुआयामी लोकल्याणकारक मान-बिन्दुओं के द्वारा नूतन प्रस्थापनाएँ करते हैं। साथ ही वैचारिक और कार्य स्तर पर कई सारी भ्रामक, अहितकारी रूढ़ियों को तोड़ते हुए भारतीयता के अनुरूप मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनके विचार एवं दर्शन के विविध रूप हैं जिनमें उनका राजनीतिक दर्शन भी अपने आप में अनूठा है। उनके राजनीतिक दर्शन के मूल में भी- ‘राष्ट्र’, संस्कृति, धर्म, उच्च आदर्श और समाज हैं। वे स्पष्ट उद्घोषणा करते हैं कि ‘राजनीति राष्ट्र के लिए’ ही होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की संकीर्णता या स्वार्थ प्रेरित हित लाभ के दृष्टिकोण- अराष्ट्रीय प्रवृत्ति एवं भारत की राष्ट्रीयता के लिए एक प्रकार का खतरा ही हैं। वे राजनीतिक शुचिता व राजनीति, दल, विचारधारा के मूल में राष्टोन्मत्ति और जनकल्याण को ही रखते हैं। येनकेन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति , अवसरवादिता और मूल्यों से पृथक राजनीति को तिलाञ्जलि देते हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय एक श्रेष्ठ चिंतक-विचारक होने के साथ सजग थे। उन्होंने भारत ही नहीं बल्कि विश्व परिदृश्य में गहरा हस्तक्षेप करने वाली



विचारधाराओं का गहन अध्ययन किया था। भारतीय दृष्टि के आधार पर उनका विश्लेषण और मीमांसा की थीं वे भारतीय राजनीति और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव रखने वाली विचारधाराओं की तात्विक समीक्षा करते हुए उनका नीर-क्षीर विवेचन करते हैं। साथ ही स्वातन्त्र्योत्तर काल के उपरान्त पश्चिमी प्रभाव से प्रस्त राजनीतिज्ञों की ‘स्वदेशी’ की ओर न देखकर, पश्चिम के अन्थानुकरण की प्रवृत्ति का विरोध करते हैं। पश्चिमी अन्थानुकरण की प्रवृत्तियों को पंडित जी भारत और भारतीयता के लिए आत्मध्वन्सात्मक बताताते हैं। उनके मतानुसार- आधुनिक पाश्चात्य देशों का उदय केवल पाँच सौ से सात सौ वर्षों की अवधि के पूर्व ही हुआ है, किन्तु भारत हजारों वर्षों से आसेतु हिमालय की भाँति एक उत्कृष्ट राष्ट्र के रूप में अवस्थित है। अतएव वे पाश्चात्य देशों की कसौटी और उनके निष्कर्षों पर भारत के आँकलन और अनुकरण करने को न्यायसंगत नहीं मानते हैं।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा ग़ाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 35

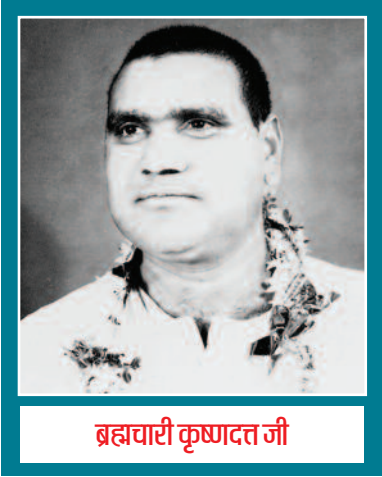
गानक से आगे

महाशिव शिव से,आज्ञा पा करके महाराजा विश्वामित्र अयोध्या में विराजमान हो गए और विचारा कि दंडक बनों में अपने आश्रम में धनुर्याग करूंगा।

अयोध्या के राष्ट्र-गुहों में उनका प्रवेश हुआ। राजा दशरथ ने स्थान को त्याग दिया और कहा आइए,महाराज ! विराजिए। वह विराजमान हो गए,उन्होंने कहा भगवन ! आज आपका बिना सूचना के अयोध्या में पदार्पण हुआ है इसका क्या कारण है ? मुझे इस प्रकार का निर्णय कराएँ,अन्यथा मैं अपने को अभाग्य ही स्वीकार करूंगा, क्योंकि बिना सूचना के एक ब्रह्मवेत्ता का आगमन होना,यह बड़ा आश्चर्य है। उन्होंने कहा कोई बात नहीं, राजन ! मैं इसलिए आया हूँ कि मैं दंडक वनों में एक याग कर रहा हूँ और धनुर्याग याग के सम्पन्न कराने के लिए राम और लक्ष्मण को ले जाना चाहता हूँ।

महाराजा दशरथ ने कहा, प्रभु ! यह मेरे बाल्य किशोर हैं। मैं हृदय से दूरी नहीं करना चाहता हूँ।राजा दशरथ ने जब ऐसा कहा,उन्होंने भी कहा मेरा भी हृदय है, क्योंकि राष्ट्र में हृदय है और सबका राजा हृदय है और राजा के लिए प्रजा हृदय है,प्रजा हृदयश्राही है। राजा के लिए तो पुत्र और साधारण प्रजा एक ही तुल्य होती है। जब राजा अपने राष्ट्र में न्याय करता है,न्याय में एक पक्ष में उसका पुत्र है एक पक्ष में समाज है या समाज का प्राणी है और राजा अपने न्यायालय में न्याय करता है और न्याय में दोषी उसका पुत्र है,तो उसे दण्ड देना चाहिए क्योंकि न्याय में और प्रजा के हित में, राष्ट्र के कल्याण के लिए पुत्र और समाज का पक्ष एक तुल्य हो जाता है।

महाराजा दशरथ ने कहा, यह तो सत्य है।महर्षि विश्वामित्र ने यह कहा, तुम जब यह स्वीकार करोगे



कि यह जो मेरा हृदय है, मैं परमात्मा का हृदय हूँ और परमात्मा के राष्ट्र में ममता नहीं होती,मोह नहीं होते,तो हमें यह नहीं करना चाहिए,इस प्रकार तुम्हारा जो चरण है,वह पवित्रता की वेदी पर होना चाहिए,ऋषि के वाक्यों को पान करके राजा ने कहा, वाक्य तो आपका यथार्थ है, परन्तु मेरे हृदय में, मस्तिष्क में यह वाक्य समाहित नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा राजन ! इसलिए समाहित नहीं हो रहा है,क्योंकि तुम्हारे बहुत काल में संतान का जन्म हुआ है,जिन संतानों का जन्म बहुत समय के पश्चात होता है,उनसे प्रायः मोह हो जाता है। राजा को

और पश्चिमी व्यवस्थाओं को लेकर उनका गहन अध्ययन रहा है।वे व्यापक शोध एवं विश्लेषण के उपरान्त निष्कर्षतः यह कहते हैं कि -पश्चिम की नकल ‘मॉडर्न’ होने का प्रमाण बन गया है। यह चहुँमुखी अनुकरण ठीक नहीं, क्योंकि पश्चिमी चिन्तन और व्यवस्था मानव कल्याण में असफल रही है। आगे वे मैकॉले शिक्षा प्रणाली और उसके दुष्प्रभाव पर कहते हैं- ‘किसी ने स्वदेशी पर जोर दिया तो उसे असभ्य बता दिया जाता है।हम ब्रिटिशों से हार गए। चालाक मिशनरियों तथा शासकों ने मैकॉले शिक्षा प्रणाली के माध्यम से हमारे मन में अनेक बीज बो दिए।तब से हमारे शिष्टियों में और उनकी देखादेखी समाज के अन्य लोगों में भी पाश्चात््यों के अनुकरण की प्रवृत्ति बढ़ती गई है।स्वतन्त्रता के बाद तो वह निरंकुश हो गई है।’

वे मार्क्स के दर्शन के पूर्णतः ‘भौतिकवादी’ होने के सिद्धांत को अनुपयुक्त मानते हैं जिसके उदाहरण के तौर पर वो रूस, चीन के क्रूर प्रकरणों का विश्लेषण करते हैं। वहीं पंडित जी ‘समाजवाद’ और ‘लोकतान्त्रिक समाजवाद’ के द्वारा मनुष्य की स्वतन्त्रता की समाप्ति और समाजवाद के द्वारा मानवीय जीवन में राज्य के वर्चस्व को भी अस्वीकार करते हैं।वे कहते हैं कि ‘लोकतान्त्रिक समाजवाद’ जैसी कोई चीज नहीं है, शब्द भर है। क्योंकि समाजवाद लाने में लोकतन्त्र की हत्या करनी पड़ती है। साथ ही उन्होंने पूँजीवादी व्यवस्था को भी मानव कल्याण के लिए असफल माना है।इन सबका हल सुझाते हुए वे कहते हैं – ‘विश्व की समस्याओं का हल समाजवाद पूँजीवादी लोकतन्त्र नहीं, वरन् हिन्दूवाद है।यही एक ऐसा जीवनदर्शन है जो जीवन का विचार करते समय उसे टुकड़ों में नहीं बाँटता, अपितु सम्पूर्ण जीवन को इकाई मानकर उसका विचार करता है।’

आध्यात्मिकवाद का न होना, आध्यात्मिकवाद की जो प्रतिभा है,विचित्र है, क्योंकि आध्यात्मिकवाद किसे कहते है? आध्यात्मिकवाद कहते हैं बाह्य जगत और अन्तरिक जगत दोनों में अपने कर्तव्य का पालन करना है जैसे हमारा अन्तरिक जगत है इस प्रकार हमारा बाह्यजगत भी होना चाहिए।जैसे अन्तरिक जगत में किसी प्रकार का कोई आक्रमण करता है,आक्रमण करने के पश्चात्हमारा हृदय दुःखित होता है और हम जब किसी के ऊपर आक्रमण करते हैं तो उसे कष्ट होता है।दोनों का एक स्थान में कष्ट हो जाने का नाम हमारे यहाँ कर्तव्यवाद का पालन है जैसे मुझे नष्ट होता है, ऐसे ही समाज को होता है।

तो हम नाग प्रकार के अन्तरिक जगत् में अपने को पवित्र बनाते रहते हैं जैसे एक मिथ्या उच्चारण कर रहा है और मिथ्या उच्चारण करने वाला वह श्रवण कर रहा है तो जब वह दोनों एक सूत्र में आ जाए कि वह मिथ्या को त्याग दें और वह मिथ्या उच्चारण करने का त्याग देता है तो वह कर्तव्यवाद कहलाता है।जब ऋषि ने यह निर्णय कराया कि तुम्हें मोह नहीं होना चाहिए, प्रेम होना चाहिए। इस प्रकार वर्णन किया राजन् ! जो तुम मोह कर रहे हो,व्यर्थ है, मोह नहीं करना चाहिए, प्रेम करना चाहिए। परन्तु, आध्यात्मिकवाद उसे कहते हैं दर्शन उसी को कहा जाता है,जो मानव किसी न किसी करूणा से,देह से दुःखित हो रहा है और उस की दुःखिता को मानव रूप में परिणत कर देता है, दर्शनों के तप में परिणत कर देता है तो करूणा उसकी समाप्त हो जाती है।क्रमशः.....

2.5 करोड़ नई नौकरियां सृजित करने के साथ नवाचार को नई उड़ान

पिछले कुछ समय से भारत ग्लोबल कैपिबिलिटी सेंटर्स यानी वैश्विक क्षमता केंद्रों के मानचित्र पर मजबूती से उभरा है। जीसीसी कहे जाने वाले ये केंद्र विकास के नए इंजन बनते हुए दिख रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा एच।बी वी।जा पर की जा रही मनमानी के बाद भारत के लिए जीसीसी के मोर्चे पर बन रहे अवसरों का दायरा और भी बढ़ सकता है। बदली हुई परिस्थितियों में निवेश को लुभाने और प्रतिभाओं को खपाने की कहीं अधिक गुंजाइश बनेगी। एक तरह से एच। बी वी। प्रतिबंध देश में रोजगार विस्तार और नवाचार को गति देने का माध्यम भी बन सकते हैं।

जीसीसी बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा किसी अन्य देश में स्थापित कार्यस्थल होता है। इसकी स्थापना का उद्देश्य साफ्टवेयर विकास, अनुसंधान, डेटा विश्लेषण, ग्राहक सहायता या वित्तीय प्रबंधन जैसे व्यवसाय के महत्वपूर्ण पहलुओं को संभालना है। एक समय देश में काल सेंटर कामकाज की संस्कृति विकसित हुई थी, पर ये जीसीसी उनसे कहीं बढ़कर हैं। ये नए उत्पादों का डिजाइन करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ से जुड़े उपकरण बनाते हैं। वैश्विक

बैंकिंग संचालन संभालते हैं और यहां तक कि अपनी मूल कंपनियों के लिए उच्चस्तरीय शोध भी करते हैं। भारत में 1,800 से अधिक जीसीसी सक्रिय हैं, जो 21.6 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं। भारत में प्रतिभाओं के बड़े वर्ग, अपेक्षाकृत कम लागत और वीजा सहूलियत जैसे प्रमुख पहलू वैश्विक दिग्गजों को यहां जीसीसी स्थापना के लिए प्रेरित करते हैं। देखा जाए तो भारतीय जीसीसी इकोसिस्टम दुनिया भर की दिग्गज कंपनियों के लिए कम पैसों में अधिक नवाचार का आधार बनता जा रहा है, जिसमें भारतीय प्रतिभाओं को भी लाभ मिल रहा है।

कैटालाईजिंग वैल्यू क्रिएशन इन इंडियन ग्लोबल कैपिबिलिटी सेंटर्स शीर्षक से प्रकाशित पीडब्ल्यूसी की एक हालिया रिपोर्ट वैश्विक कंपनियों और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जीसीसी के महत्व पर प्रकाश डालती है। जीसीसी द्वारा अपनी मूल कंपनियों के कामकाज का बहुत छोटा सा हिस्सा संभालने के बावजूद वावजूद वित्त वर्ष 2020 से 2024 के बीच इन्होंने अपनी मूल कंपनियों के लिए सालाना 10 से 11 प्रतिशत की वैल्यू बढ़ाने का काम किया है। बोस्टन कंसल्टेंसी ग्रुप (बीसीजी) एक रिपोर्ट



यह बताती है कि भारत न केवल जीसीसी का सबसे बड़ा केंद्र है, बल्कि प्रदर्शन के मामले में भी सबसे संतुलित है। भारत में 30 प्रतिशत जीसीसी बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले हैं, जबकि छह प्रतिशत ही ऐसे हैं जो अन्य देशों से कमतर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह पहलू बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय जीसीसी अब एआइ, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, डाटा एनालिटिक्स और उपयोगकर्ता अनुभव डिजाइन जैसे आधुनिक एवं उन्नत क्षेत्रों में विस्तार कर रहे हैं। वे जोखिम और अनुपालन, आपूर्ति

शृंखला प्रबंधन, ग्राहक सेवा वितरण और संचालन के स्तर पर डिजिटल कायाकल्प की प्रक्रिया से भी जुड़े हैं। इस दौर में जब एआइ और जेनएआइ अपने आरंभिक चरण में हैं, तब भारतीय जीसीसी क्षमता-वचन और वितरण भूमिकाओं से नवाचार केंद्रों में बदल रहे हैं, जो वैश्विक कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमताएं बढ़ाने और उनकी प्रगति में सहायक बन रहे हैं। केंद्र सरकार भी जीसीसी को प्रोत्साहन देने में लगी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुछदिन पहले ही विशाखापत्तनम में आयोजित एक

सम्मेलन में कहा कि केंद्र राज्यों के साथ मिलकर भारत को जीसीसी का सबसे आकर्षक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका आशय था कि बेंगलुरु, हैदराबाद और गुरुग्राम जैसे महानगर आज इस मुहिम में आगे हैं, लेकिन इसके विकास की अगली बयार टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में बहनी चाहिए। इसके लिए बुनियादी ढांचे, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास पर ध्यान देना होगा। केंद्र सरकार पूंजीगत व्यय में वृद्धि से इस मोर्चे पर प्रयासों को परवान चढ़ाने में भी लगी है। वित्त वर्ष 2014 में जो

केंद्र सरकार भी जीसीसी को प्रोत्साहन देने में लगी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुछ दिन पहले ही विशाखापत्तनम में आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि केंद्र राज्यों के साथ मिलकर भारत को जीसीसी का सबसे आकर्षक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका आशय था कि बेंगलुरु, हैदराबाद और गुरुग्राम जैसे महानगर आज इस मुहिम में आगे हैं, लेकिन इसके विकास की अगली बयार टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में बहनी चाहिए।

पूंजीगत व्यय जीडीपी का 1.7 प्रतिशत था, वह वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया। इसके चलते देश भर में हवाई अड्डों, रेलवे, मेट्रो, बंदरगाहों और राजमार्गों का विस्तार हो रहा है।

उद्योग संगठन सीआइआइ ने भी जीसीसी इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। उनसे सुझाया है कि केंद्र, राज्यों और वैश्विक निवेशकों के बीच समन्वय के लिए एक राष्ट्रीय जीसीसी परिषद गठित की जाए। एआइ, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और क्वांटम एनालिटिक्स जैसे उन्नत क्षेत्रों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ डिजिटल आर्थिक क्षेत्र यानी डीईएज्ड विकसित किए जाएं। साइबर सुरक्षा, इंजीनियरिंग शोध एवं विकास और

उत्पाद नवाचार जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से उद्योग-शिक्षा साझेदारी को मजबूत करने पर भी उसने जोर दिया है। जीसीसी के अगले चरण के विस्तार में महानगरों से परे उनका दायरा बढ़ाने के लिए एक सियाल विंडो अनुमति प्रणाली अपनानी होगी, ताकि वैश्विक कंपनियों को भूमि अधिग्रहण, डाटा केंद्र और अनुपालन संबंधी अनुमति त्वरित गति से प्राप्त हो सके। दूसरा, उच्च-मूल्य से जुड़े कार्यों के लिए लक्षित प्रोत्साहनों का डिजाइन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जो जीसीसी को शोध एवं विकास, उत्पाद डिजाइन और साइबर सुरक्षा जैसे परिदृश्य में आगे बढ़ाएं।

तीसरा, छोटे शहरों में बुनियादी ढांचे और उससे जुड़े अन्य अनेक

पहलुओं को दुरुस्त करना। चौथा, कौशल के स्तर पर खाई को पाटने के लिए भविष्योन्मुख क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कौशल विकास एवं प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता है, जो उद्योग-शिक्षा साझेदारी पर आधारित हों। इस दिशा में संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर की जीसीसी नीतियों का राष्ट्रीय ढांचे से उचित तालमेल भी उतना ही आवश्यक होगा। स्थानीय स्तर पर भूमि और बिजली सब्सिडी और लक्षित कौशल विकास कार्यक्रम को लेकर भी सहयोग दिखानी होगी। यदि इन बिंदुओं पर ध्यान दिया गया तो इस दशक के अंत तक जीसीसी 2.5 करोड़ नई नौकरियां सृजित करने के साथ नवाचार को नई उड़ान दे सकते हैं।

योजनाएँ धरातल पर दिखें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं: जसवंत सैनी

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार में संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने अपने दो दिवसीय बागपत प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में विकास, कानून व्यवस्था और राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को साफ चेतावनी दी कि योजनाएँ केवल कागजों में नहीं बल्कि धरातल पर दिखनी चाहिए, लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 70 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी नागरिकों के आयुष्मान कार्ड तत्काल बनाए जाएँ। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सबसे बड़ी चिंता

का विषय होता है जिसमें विभाग द्वारा कैप लगाकर मिशन मोड में बुजुर्गों तक पूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा एवं इलाज की गारंटी पहुंचाने की आवश्यकता है। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में देरी या उपेक्षा जनता के जीवन से खिलवाड़ है और ऐसी स्थिति स्वीकार्य नहीं है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अपात्रों की शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि पात्र गरीब परिवारों को घर मिलना चाहिए न कि उन लोगों को जो पहले से सक्षम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस योजना में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निपुण भारत में 10वीं रैंक और मिड-डे-मील योजना में हसीहू से हबीहू रैंक तक सुधार पर संतोष



व्यक्त करते हुए कहा कि अभी बहुत कार्य करना है इसलिए विभाग नियमित रूप से रैंकिंग में सुधार हेतु कार्य करे। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिक्षक समय से पहुंचे, बच्चों की उपस्थिति और भोजन की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी रखी जाए। बच्चों की शिक्षा और पोषण में समझौता

किसी भी स्तर पर नहीं चलेगा।

उन्होंने कहा कि युवाओं को अवसर देना सरकार की जिम्मेदारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में बने ओपन जिम युवाओं के स्वास्थ्य और अनुशासन के लिए उपयोगी हैं, लेकिन उनकी हालत खराब नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि ह्युवा मजबूत तो राष्ट्र मजबूत ढ्ह उन्होंने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत धोबी ट्रेड में 25 लाभार्थियों को टूल किट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में किसानों की समस्याएं

भी सामने आईं। किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा मिले। सिंचाई और जल निकासी की समस्याएँ तुरंत हल की जाएँ। उन्होंने कहा कि गांव की सड़क ही गांव की अर्थव्यवस्था का आधार है, गड्डे नहीं विकास की राह दिखनी चाहिए। उन्होंने एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि सड़कों और पुलों की गुणवत्ता पर कोई समझौता न किया जाए और किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी बात सुनी जाए। साथ ही, बिजली आपूर्ति में अघोषित कटौती खत्म करने और पेयजल योजनाओं की खराब स्थिति सुधारने पर भी जोर दिया। लूट और चोरी की घटनाओं में कमी पर संतोष व्यक्त किया एवं पुलिस विभाग को आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सतर्क रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनपद को मिली फॉरसिक लैब का पूरा उपयोग कर अपराधियों पर शिकंजा कसना होगा। मिशन शक्ति पंचम चरण अभियान पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि नारी सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हेल्पलाइन नंबरों को सक्रिय रखें, शिकायतों का त्वरित समाधान हो। गांव गांव तक जागरूकता अभियान संचालित कर महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाए।

उन्होंने साफ कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि त्यौहारों में अलर्ट रहें।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि गंदगी और बीमारी का सीधा संबंध है। गांव और शहर दोनों में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाया जाए। नालियाँ साफ हों, कूड़ा खुले में न सड़े और

प्रत्येक मोहल्ला स्वच्छता का उदाहरण बने। उन्होंने कहा कि ह्रस्वच्छता से ही स्वास्थ्य, और स्वास्थ्य से ही समृद्धि संभव है। गली-मोहल्लों में नालियाँ साफ हों, कूड़ा ढेर में न सड़े और लोग बोमारियों का शिकार न हों।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही प्रशासन की असली कसौटी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें, समय-समय पर स्थानीय निरीक्षण करें और कार्यों का ठोस परिणाम जनता को नजर आए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अस्मिता लाल, मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा आदि सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एशियन गेम 2026 में भारत को पदक दिलाएगा सचिन

घर लौटने पर हुआ जैवलिन स्टार का भव्य स्वागत



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। जापान के टोक्यो में हाल ही में आयोजित विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले जैवलिन श्रो खिलाड़ी सचिन यादव का गुरुवार को जन्मस्थली खेकड़ा में भव्य स्वागत किया गया। 6 फुट 6 इंच लंबे सचिन ने विश्व प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहकर भारत को नया स्टार दिया। फाइनल में भारत के नीरज चौपड़ा आठवें और पाकिस्तान के अरसद नदीम दसवें स्थान पर रहे।

स्वागत समारोह में सचिन का

पटका पहनाकर मिष्ठान वितरित किए गए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक आनंद यादव, सभासद राजेंद्र यादव, जयपाल यादव, देव कृष्णा स्कूल के प्रबंधक सोनू यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सचिन ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2026 में जापान में होने वाले एशियन खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है।

इसके बाद उनका ध्यान कॉमनवेल्थ खेलों पर रहेगा। उन्होंने खेकड़ा स्टेडियम की सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि यदि सुविधाएं उपलब्ध हों,

तो बागपत-बडौत क्षेत्र से कई युवा खिलाड़ी उभर सकते हैं। सचिन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी ने उन्हें बधाई दी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, उन्हें हेड कॉन्स्टेबल से उप निरीक्षक के पद पर प्रमोशन मिलने की संभावना है। सचिन ने कहा कि देश के लिए पदक जीतने के बाद ही वे किसी सम्मान के हकदार हैं और अभी से खुद को बड़ा दिखाना उचित नहीं मानते। अपने जन्मस्थली के लोगों के स्नेह से वह बेहद खुश हैं और उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में सहभागिता करेगा बड़ागांव का श्रीदेश ऑर्गेनिक फार्म

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। बड़ागांव स्थित श्रीदेश ऑर्गेनिक फार्म आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में सहभागिता करेगा।

यह आयोजन 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होगा। बागपत जनपद से इस शो में प्रतिनिधित्व करने वाला श्रीदेश ऑर्गेनिक फार्म अकेला होगा।

फार्म के संचालक कर्नल नरेंद्र त्यागी ने बताया कि प्रदर्शनी में शुद्ध, प्राकृतिक और 100 प्रतिशत जैविक उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। उनका कहना है कि यह केवल व्यापार का



अवसर नहीं, बल्कि किसानों को सशक्त करने और उपभोक्ताओं को

स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद उपलब्ध कराने का संकल्प है। श्रीदेश

- 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में होगा आयोजन

ऑर्गेनिक फार्म प्राकृतिक और जैविक खेती के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। कर्नल त्यागी ने कहा कि बागपत का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर आने से स्थानीय किसानों और उद्यमियों का गौरव बढ़ेगा। फार्म की टीम परंपरा, प्रकृति और स्वास्थ्य को जोड़ने के लिए काम कर रही है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में चमके बागपत के उत्पाद, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की पहली पसंद बने

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण में बागपत के उद्यमियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की खास पसंद बन रहे हैं। इस ट्रेड शो में बागपत की शिल्पकला, कृषि यंत्र, गृहसज्जा और हस्तशिल्प उत्पाद न केवल देश बल्कि विदेशों के कारोबारियों का भी ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

ट्रेड शो में आकृति ज्वेलक्राफ्टज, लूमस इंडिया, रजनी हेड्रान, बंसल टेक्सटाइल, ऋषभ टेक्सटाइल, एम्ब्रोसिया बोकीपिंग, सिद्धनाथ इंटरनेशनल, खेकड़ा हैडलूम और कैरिवेल कंपनी जैसे प्रतिष्ठित उद्यमी अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं



सहायता समूह भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा हैं। यहां गृहसज्जा सामग्री, शहद, ज्वेलरी, पैकेजिंग और डेकोरेटिव आइटम्स को खरीदारों से विशेष सराहना मिल रही है।

बागपत के औद्योगिक और कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ह्यएक

जिला एक उत्पाद योजनाहू के तहत विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें बडौत के कृषि यंत्र जैसे रिम-धुरा, एक्सल,

नट-बोल्ट, हुक, कल्टीवेटर, रोटावेटर, मल्टीक्रॉप थ्रेसर, सीड ड्रिल, फटीलाईजर ड्रिल और डिस्क हैरो शामिल हैं। साथ ही

जीआई टैग प्राप्त बेडशीट, पदें, तौलिए, कुशन कवर और कपड़े के बैग भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

ट्रेड शो में केवल उद्योग ही नहीं बल्कि यूपी की सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक व्यंजनों की भी झलक देखने को मिल रही है। विशेषज्ञों का

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत विकास भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण का एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश किया। कार्यक्रम में विधायक योगेश धामा ने 24 ट्राइसाइकिल और 10 व्हीलचेयर वितरित कीं। इन सहायक उपकरणों को पाकर दिव्यांगजनों के चेहरों पर जो खुशी झलकी, उसने पूरे आयोजन को जीवंत और सार्थक बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक राहुल वर्मा सहित



अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने लाभार्थियों के साथ संवाद किया और उन्हें आत्मनिर्भर जीवन की राह पर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर लाभान्वित दिव्यांगों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

विधायक योगेश धामा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बने। देश निर्भर नेतृत्व में सशक्त हो रहा है और विकास की गंगा बह रही है। सेवा पखवाड़ा इसी विजन को

बागपत के टट्टीरी में बसेगी नई टाउनशिप, 53 किसानों की 11 एकड़ भूमि होगी अधिग्रहित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद को जल्द ही अपनी पहली टाउनशिप मिलने जा रही है। बागपत-बडौत-खेकड़ा विकास प्राधिकरण की ओर से टट्टीरी में प्रस्तावित टाउनशिप की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके तहत 53 किसानों की कुल 11 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने आज स्थलीय निरीक्षण किया और अधिग्रहण से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से बातचीत की और किसानों की सहमति, जमीन की उपलब्धता एवं प्रस्तावित नक्शे पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए की जाए। साथ ही किसानों को समय पर मुआवजा एवं सभी

सुविधाएं सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि टाउनशिप के लिए जमीन की बैनामा प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि यह जनपद की पहली ऐसी परियोजना होगी, जिसमें हाउसिंग और टाउनशिप दोनों का विकास एक साथ किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत न केवल आधुनिक आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी बल्कि व्यावसायिक, शैक्षणिक और सार्वजनिक उपयोग की आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी। अधिकारियों का कहना है कि यह टाउनशिप जनपद बागपत की बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण की जरूरतों को पूरा करेगी। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक सुविधाएं और रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही किसानों की भूमि का सही मूल्यांकन कर उन्हें उचित क्षतिपूर्ति मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। टाउनशिप के विकसित होने से

जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पूरे जिले में विभिन्न जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें अंत्योदय के संकल्प के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग कल्याण विभाग भी इस दिशा में कई योजनाएँ संचालित कर रहा है। शासन द्वारा संचालित विकलांग पेंशन योजना, कुटिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण योजना, दिव्यांगजन के पुनर्वासन हेतु दुकान निर्माण/दुकान संचालन योजना और विशेष विवाह योजना आदि प्रमुख हैं।

श्री वैकुण्ठेश्वरा विश्वविद्यालय में ‘न्याय पालिका संविधान की संरक्षक’ विषय पर कार्यक्रम आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वैकुण्ठेश्वरा विश्वविद्यालय ‘‘न्यायपालिका संविधान की संरक्षक’’ विषय पर एक संवाद कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए देश के नामचीन कानून विशेषज्ञ एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायधीश जस्टिस पी०के० गिरि ने प्रतिभाग करते हुए विधि/लॉ छात्रों को न्यायपालिका द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा, संविधान का संरक्षण, कानून व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन एवं भयमुक्त/तानाशाही मुक्त स्थिर लोकतांत्रिक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। श्री वैकुण्ठेश्वरा विश्वविद्यालय के अब्दुल कलाम



कांफ्रेंस हॉल में ‘‘न्यायपालिका संविधान की संरक्षक’’ विषय पर आयोजित ‘‘संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम’’ का शुभारम्भ हाईकोर्ट न्यायधीश पी.के. गिरि, प्रतिकुलाधिपति



डॉ. राजीव त्यागी, आई.पी.एस. अमित कुमार आनन्द, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त देवे ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के समुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि हाईकोर्ट

जस्टिस पी.के. गिरि ने कहा कि फास्ट ट्रेक कोर्ट, महिला न्यायालय, बाल न्यायालय एवं अन्य विशेष न्यायालयों के संचालन से जघन्य अपराधों में पीड़ित को त्वरित न्याय मिलने की

उम्मीद बढ़ी है। लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ होने के कारण न्यायपालिका सरकार के मध्य शक्ति संतुलन के साथ-2 आम आदमी के मौलिक अधिकारों का सबसे बड़ा



रक्षक है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द एवं प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने न्यायमूर्ति जस्टिस पी.के. गिरि का बुके, पटका, पगड़ी, अशोक स्तम्भ देकर

परम्परागत तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर डॉन डॉ. राजवर्द्धन सिंह, ग्रुप एडवाइजर डॉ. आर.एस. शर्मा, डॉ० नीतू पंवार, डॉ. शिल्पा रेना, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. मोहित शर्मा, डॉ.

श्यामलाल, डॉ. योगेश्वर शर्मा, सुमन मीना, अशोक कुमार, एस.एस. बघेल, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह एवं मॉडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

समाज में शांति, एकता व विश्वास कायम करने में मीडिया की भूमिका अहम: राज्यपाल



डॉ श्रीगोपाल नारसन एड.

ब्रह्माकुमारीज के मिडियाविंग द्वारा आबू रोड के शांतिवन में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन 2025 का शुभारंभ राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने दीप प्रज्वलन करके किया।

इस अवसर पर देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े 1500 से अधिक पत्रकार, संपादक और संवाददाता उपस्थित रहे। चार दिवसीय इस महासम्मेलन का मुख्य विषय ‘शांति, एकता और विश्वास’ है।

मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि समाज में शांति और विश्वास कायम करने में मीडिया की अहम भूमिका रही



है। उन्होंने मीडिया को लोकतंत्र की जड़ों को सँचने वाला स्तंभ बताते हुए कहा कि चुनाव जाति नहीं, विचार और देशहित के आधार पर होने चाहिए। साथ ही उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था की संस्कृति संरक्षण, नशामुक्ति और पर्यावरण जागरूकता जैसे प्रयासों की

सराहना की। महासम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि शांति हर मानव का स्वधर्म है। हिंसा और स्वार्थ की बढ़ती प्रवृत्तियों के बीच मीडिया को ऐसा कंटेंट देना चाहिए जो समाज को शांति और सकारात्मकता

का अनुभव कराए। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी ने पत्रकारों को ‘भारत को देखने वाली आंखें’ बताते हुए जिम्मेदार और रचनात्मक पत्रकारिता की जरूरत पर बल दिया।

वहीं कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि मीडिया के माध्यम से शांति का दीपक जलता है और ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों को विश्वभर में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

इस अवसर पर मीडिया विंग के अध्यक्ष बीके करुणा भाई, उपाध्यक्ष बीके सरला दीदी और राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतनु भाई ने भी

शांति, एकता, विश्वास के माध्यम से सकारात्मक पत्रकारिता के लिए पैरवी की। कार्यक्रम में डॉ. सोहिनी शास्त्री, पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजित पाठक सहित कई गणमान्य अतिथियों ने संबोधित किया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के अतिरिक्त महासचिव बीके मृनुन्जय भाई, बीके उषा बहन, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति डॉ श्रीगोपाल नारसन, रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी, बीके निकुंज भाई, गुहय विज्ञान विशेषज्ञ गोपाल राजू, हरिद्वार से वरिष्ठ पत्रकार राधिका नागरथ , ज्ञानामृत के सम्पादक बीके आत्म प्रकाश भाई, ओमशांति मीडिया के सम्पादक बीके गंगाधर भाई आदि मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक सुधार व हिंदू राष्ट्र निर्माण संगठन का एक मात्र लक्ष्य: उपेंद्र नाथ सिंह



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

वाराणसी। जय भारत मंच के काशी प्रांत अध्यक्ष उपेंद्र नाथ सिंह ने एक दिवसीय संगठनात्मक बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से मिले और संगठन के कार्य के बारे में बताया। उपेंद्र जी ने कहा कि संगठन के मुख्य उद्देश्य हैं हिंदू समुदाय को संगठित करना, भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देना, और हिंदू राष्ट्र के निर्माण में योगदान करना।

वरिष्ठ महामंत्री संपूर्णानंद पाण्डेय ने बताया कि आज के बैटक में सभी का यही है कि हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा करना और हिंदू राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना है। हिंदू समाज को एक मजबूत और एकजुट शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। पाण्डेय जी ने आगे कहा कि हम सभी लोग मिलकर हिंदू धर्म, रीति-रिवाजों, और परंपराओं को संरक्षण और प्रचार करने

का प्रयास करें। महामंत्री रामजी सिंह ने कहा कि संगठन एक ऐसे राष्ट्र की परिकल्पना करते हैं जो हिंदू संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हो। सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार हो। सामाजिक बुराइयों को दूर करने और हिंदू समाज को आधुनिक बनाने के लिए भी काम करते रहे।

मंत्री सुजीत गुप्ता ने कहा कि धार्मिक समानता हिंदू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था और अन्य असमानताओं को दूर करने का प्रयास करें। प्रांत वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि हम सभी भारतीय राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दें और हिंदुओं की सुरक्षा और संरक्षा को भी अपना उद्देश्य मानें। उपाध्यक्ष डॉ. हरकेश तिवारी ने बताया कि हम सभी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) एक प्रमुख हिंदुत्व संगठन है जिसका उद्देश्य ‘हिंदू समाज को संगठित और समेकित करना’ है। यही

उद्देश्य हम सभी जय भारत मंच के लोगों का भी होना चाहिए। उपाध्यक्ष अजय सोनकर आशु जी ने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हिंदुत्व एक जटिल विचारधारा है और इसके विभिन्न पहलुओं पर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं।

महिला प्रमुख किरण सिंह ने कहा लोग इसे एक सकारात्मक शक्ति मानते हैं जो हिंदू समुदाय को सशक्त बनाते और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करती है। वहीं, कुछ लोग इसे एक संकीर्ण और विभाजनकारी विचारधारा मानते हैं जो अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देती है।

हम सभी का एक मात्र लक्ष्य ये हो कि देश को हिंदू बनाया जाए। कार्यक्रम में सुष्मा सिंह , अरुण पाण्डेय , रंगनाथ जी , अनिल सिंह, किशन सिंह, सैकड़ों संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीवन का आधार है प्रकृति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़े के अंतर्गत वन विभाग द्वारा रेनबो पब्लिक स्कूल देहरा कुटी में पौधे लगाकर सेवा पर्व का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक भारती के क्षेत्र संयोजक भारत भूषण गर्ग ने की उन्होंने कहा की प्रकृति जीवन का आधार है हमारे आसपास पड़ी हुई गंदगी तो हमें दिखाई दे जाती है परंतु वायुमंडल में फैली गंदगी हमें नहीं दिखाई देती है प्रदूषित हवाएं वायु के द्वारा हमारे फेफड़ों में पहुंचकर हमारे शरीर को रोगी बना देती है समय है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को तथा स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक रूप से प्रकृति को बढ़ावा दें इसका एकमात्र आधार है कि हम अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षों का रोपण करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार चौहान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की आज चहुं ओर जिस प्रकार से वातावरण प्रदूषित हो रहा है वह अत्यंत ही चिंता का विषय है यदि यह वातावरण यूं ही खराब होता रहा तो आने वाले समय में व्यक्ति की औसत आयु कम हो जाएगी तथा वह राग ग्रस्त रहने लगेगा आज आवश्यकता है हम सभी को कि हम वह सभी कार्य करें जिससे वातावरण शुद्ध हो इसकी एक महत्वपूर्ण कड़ी वृक्षारोपण के साथ ही साथ अपनी जीवन शैली को प्रकृति के अनुरूप बनाना भी है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए वन क्षेत्राधिकारी करन सिंह ने कहा कि आज का कार्यक्रम स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत किया जा रहा है ये कार्यक्रम मुख्य रूप से विद्यालयों में एवं धार्मिक स्थलों के प्रांगण में किये जा रहे हैं इसी श्रृंखला



में आज का यह कार्यक्रम रेनबो पब्लिक स्कूल के प्रांगण में किया जा रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों को जागरूक करते हुए प्रकृति के साथ उन्हें सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने के विषय में विस्तार से बताया जाता है। उन्होंने कहा कि आज गंगा और यमुना के बीच की हमारी यह पवित्र धरती भी पानी एवं वायु के संकट से जूझ रही है जिसको गौरव कुमार जयपाल सिंह आदित्य कुमार कपिल राणा गुल हसन एमटीएस गौरव कुमार आदि प्रमुख रूप से हम सभी की है। कार्यक्रम में

उपस्थित बच्चों को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत एक-एक पौधा भेंट भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शारीरिक शिक्षक आजाद सिंह गंगा सेवक मूलचंद आर्य तक्ष ठाकुर युक्ति भूषण जाधवी आर्य यथार्थ भूषण डिप्टी रेंजर सबाबुल हसन वन दरोगा गौरव कुमार जयपाल सिंह आदित्य कुमार कपिल राणा गुल हसन एमटीएस गौरव कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बहादुरगढ़। सर्व हितैषी इंटर कॉलेज में आज स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सेवा पर्व का कार्यक्रम 500 पौधे लगाकर एवं वितरित करके मनाया गया।

वन विभाग गढ़मुक्तेश्वर द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के बच्चों को साढ़े चार सौ पौधे वितरित किए गए तथा 51 पौधे विद्यालय के प्रांगण में लगाए गए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गंगा सेवक मूलचंद आर्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आवश्यकता के पेलव लगाने की ही नहीं है वरन् पेड़ लगाकर उसे पाल पोस कर बढ़ा करने की भी है।

आज जो प्रकृति प्रदत्त आपदाएं देखने को मिल रही हैं उसका एकमात्र कारण प्रकृति के साथ छेड़छाड़ ही है आज हम सबको अधिक से अधिक पेड़ लगाकर अपने एवं अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए ऑक्सीजन फैक्ट्री लगाने की तैयारी करनी



चाहिए। पेड़ हमारे लिए आजीवन आक्सीजन प्रदान करते रहते हैं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय सिंह



ने कहा कि हमारे विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बच्चों के द्वारा प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाते हुए लगातार कार्य किया जा रहा है इस बार 200

बच्चों के द्वारा वृक्ष लगवाए गए तथा आज वितरित किए गए वृक्षों को भी अध्यापकों की देखरेख में बच्चों के परिवारों में लगवाया जाएगा।

हाथी के पांव काटना और कुंभस्थल फोड़ना

श्रीकृष्ण ‘जुगनू’

पुराणों के वर्णन कवियों के वर्णक माने गए हैं। कवियों के अभ्यास के लिए एक वर्णक ग्रंथ पढ़ाए जाते थे, उनमें पुराणों के प्रसंग भी होते और देवी देवताओं के प्रसंग पराक्रमी पुरुषों के लिए भी लिखे जाते थे। ये शिलालेखों और प्रशस्तियों के आधार भी बने। इतिहासकारों ने बड़े कोतुक के रूप में देखा लेकिन इनके मूल स्रोत पर किसी ने चर्चा नहीं की।

वामन पुराण में भगवती कात्यायनी और दानव शुम्भ के बीच संग्राम का जैसा वर्णन मिलता है, वह लगभग एक हजार सालों से संस्कृत कवियों, वीरचरित रचयिताओं और

यशराज वर्णन कताओं के लिए अनुकरणीय रहा है। मध्यकालीन अभिलेखों में भी ये ही उपमाएं और अतिशयोक्तियां उपलब्ध हो जाती हैं। देखिए और बताइए कहाँ - कहाँ ऐसा वर्णन मिलता है ? **निशुम्भ पतितं दृष्टवा शुम्भः क्रोधान्महामुने। वृन्दाकरं समारुह्य पाशापाणिः समन्वृत्ताः। तमापतन्तं दृष्ट्वाऽथ सगजं दानववेश्वरम्। जग्राह चतुरो बाणांश्चन्द्राकारवर्चसम्।। ध्रुप्राश्यां समं पादौ द्वौ चिच्छेद द्विपयस सा। द्व्यथां कुम्भे जघानाथ हसन्ती लीलयाऽम्बिका।। निक्तुत्ताश्यां गजः पद्ध्या निपपात यथेच्छया। शक्रवज्र समाक्रान्तं शैलराजशिरो यथा।। (वामन. अध्याय ५६)**

इन श्लोकों में कहा गया है : देवी ने जब निशुंभ को मार गिराया तो दानव शुंभ क्रोध से आग बबूला हो गया। वह उसी समय राण चढ़ने लगा ! उसने पाश उठाया और सेना सहित अपने हाथी पर सवार हुआ। बल का जोर दिखाते जैसी योजना थी। देवी ने जब हाथी पर चढ़कर आते हुए दानवराज शुंभ को देखा तो धनुष सहित चमचमाते अर्धचंद्राकार चार बाण उठाए। जैसे सभी आयुध उसके सहयोगी थे। युद्धक्रीड़ा में निपुण, दुष्ट दानव दलनी देवी ने उस युद्ध के घाट में अट्टहास किया। अद्भुत खेल रचाया। और क्या किया : ► दो तीखे बाणों से उस दानवराज के मतवाले हाथी के आगे के दो पांवों को काट डाला। ► शेष दो बाणों से उसी मदमस्त हाथी के

कुंभ स्थल पर संधान कर उनको फोड़ डाला। इसके बाद, ► न आगे के पांव बचे और न सिर साबुत रहा, हाथी इंद्र के वज्र से घायल पर्वतराज की ऊंची चोटी की तरह अपने आप ही धराशायी हो गया। इस प्रसंग पर मूर्तियां भी बनी हैं। यहां जो चित्र दिया जा रहा है, वह अमृतेश्वर मंदिर, अन्नियेरी का है। देवी की महिमा और दानव संहार के वर्णन कहां नहीं मिलते ! इसका पाठ निर्भय करता है। कवियों ने भी अनेक युद्धों के वर्णन में इस प्रसंग को करिश्माई रूप में लिखा है। (तुलनीय : राज प्रशस्ति महाकाव्य)

इस प्रसंग पर मूर्तियां भी बनी हैं। यहां जो चित्र दिया जा रहा है, वह अमृतेश्वर मंदिर, अन्नियेरी का है। देवी की महिमा और दानव संहार के वर्णन कहां नहीं मिलते ! इसका पाठ निर्भय करता है। कवियों ने भी अनेक युद्धों के वर्णन में इस प्रसंग को करिश्माई रूप में लिखा है। (तुलनीय : राज प्रशस्ति महाकाव्य)

किसी ने हमारी शांति बिगाड़ने की कोशिश की तो उसको भी छोड़ना नहीं: राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

ब्रह्माकुमारीज ने समाज, धर्म और देश के लिए त्याग, तपस्या और समर्पण किया: राज्यपाल

- राज्यपाल बोले- विश्व में ब्रह्माकुमारीज जैसा महिलाओं का इतना बड़ा दूसरा संगठन नहीं मिलेगा, समाज में शांति, एकता और विश्वास को बढ़ावा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है
- राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन 2025 का किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

आबुरोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया विंग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन 2025 का शनिवार को विधिवत आगाज हो गया। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। इसमें देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े 1500 से अधिक पत्रकार, संपादक और संवाददाता भाग ले रहे हैं। चार दिन तक चलने वाले इस महासम्मेलन में शांति, एकता और विश्वास विषय पर करीगे मंथन-चिंतन किया जाएगा।

शुभारंभ पर मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि मुझे यहां आकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। समाज में शांति, एकता और विश्वास को बढ़ावा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ भी कहते हैं। मीडिया लोकतंत्र की जड़ों को सौंचकर सदा हरा रखने का कार्य करता है। हमारे भारत के लोगों के रक्त में ही लोकतंत्र है। चन्द्रगुप्त के राज्य में पाटलिपुत्र में नगर पंचायत में 30 सदस्य चुनकर आते थे। मैंने

इसके बारे में पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की किताब भारत एक खोज में पढ़ा। लोकतंत्र में जो चुनकर आते हैं, जाति के आधार पर नहीं, विचार और देशहित के आधार पर चुनाव लड़े तो लोकतंत्र और मजबूत होगा। मीडिया को इस पर फोकस करना चाहिए।

संस्कृति बचाने का कार्य कर रही है ब्रह्माकुमारीज-

राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक आध्यात्मिक विश्वविद्यालय है। प्राचीन भारतीय संस्कृति ज्ञान का प्रचार-प्रसार करता रहा है। ब्रह्माकुमारीज संस्था महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। संस्था नशामुक्ति, पर्यावरण जागरण, अंधविश्वास दूर करने का भी काम कर रही है। ब्रह्मा बाबा ने इसकी स्थापना की। उनका हीरे का व्यापार था। ब्रह्माकुमारीज गांव-गांव में जाते हैं। लोगों को शांति और तरक्की का रास्ता बताते हैं। विश्व में महिलाओं का इतना बड़ा संगठन नहीं है, जितना ब्रह्माकुमारीज का है। ब्रह्माकुमारीज संस्कृति बचाने का कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज ने त्याग, तपस्या और समर्पण किया है। ये देश, धर्म, समाज के लिए समर्पण किया है।



सनातन धर्म ने किसी पर टिप्पणी नहीं की-

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत की संस्कृति विश्व की पहली संस्कृति है। हजार वर्षों से ज्यादा समय तक हमारी संस्कृति को छिन्न-भिन्न करने की कोशिश की गई है। मैकाले ने हमारी संस्कृति को बिगाड़ने के लिए वर्ष 1835 में जो शिक्षा पद्धति लागू की थी। विश्व में जब कुल 6 विश्वविद्यालय थे, उस समय हमारे पास नालंदा और तक्षशिला जैसे दो विशाल विश्वविद्यालय थे। जजिया कर लगाया गया, धर्म परिवर्तन किया गया। लेकिन हमारी संस्कृति नष्ट नहीं हुई, बल्कि तेजी से बढ़ रही है। क्योंकि हमारे यहां योगी, महात्मा हुए। हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम स्वधर्म को मानते हैं। सनातन धर्म ने किसी पर टिप्पणी नहीं की, लेकिन हमारे बारे में टिप्पणी की जाती है।

हम किसी की शांति भंग नहीं करेंगे-

राज्यपाल ने कहा कि किसी ने हमारी शांति बिगाड़ने की कोशिश

किया तो उसको भी छोड़ना नहीं, ये बात हमें ध्यान रखना होगा। हम किसी की शांति भंग नहीं करेंगे। पीडित नेहरू ने अपनी किताब में उल्लेख किया है कि मैक्समूलर जर्मन इतिहासकार था। उसने लिखा हमें आश्चर्य होता है कि भारत की दो किताबों में लोगों की श्रद्धा है। एक का नाम रामायण, दूसरे का नाम गीता है। 23 मार्च 1922 को महात्मा गांधी ने भाषण दिया कि हम भूखे मर रहे हैं। मैकाले ने कहा था- भारत में कोई भूख नहीं, चोर नहीं, भिखारी नहीं है, लेकिन उन्होंने हमें कहाँ लाकर छोड़ा कि देश ने भुखमरी भी देखी। आज हम दुग्ध उत्पादन में विश्व में नम्बर एक हैं। गेहूँ उत्पादन में दूसरे नम्बर पर हैं।

शांति हम सबका स्वधर्म है : राजयोगी मोहिनी दीदी

ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने कहा कि मुझे जन्मिले ब्रह्माकुमारी चाहिए तो मैं पढ़ने के लिए गईं। मीडिया का एक मतलब प्रमोशन होता है। बाबा की इच्छा थी सबको ये संदेश मिले। करीब 60-70 देशों में जाना हुआ।



हमारा उद्देश्य प्रचार करना नहीं था, हम चाहते थे आपके मन को शांति मिले। हिंसा, स्वार्थ बढ़ रहा है। होनी तो 'पीस' चाहिए पर अब 'पीसेस' हो रहे हैं। हमारी भावना पत्रकारों को शांति, ज्ञान, सुख दें। मैं कई देशों में बड़े-बड़े पत्रकारों से मिली। एक तो मुस्कुराना भूल गया था। ब्रह्माकुमारीज में हर कोई मुस्कुराता नजर आता है। शांति हम सबका स्वधर्म है। शांति के सागर हमारे पिता हैं। हमें इसका अभ्यास करना है, ये हमारा स्वभाव बन जाएगा। शांति अपने मन से शुरू होती है। समाज, परिवार और विश्व में शांति हो।

भारत को देखने की आंखें आप ही हैं-

मप्र भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि पत्रकार सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना के वाहक हैं। आप दैनिक इतिहास लिख रहे हैं। भारत को देखने की आंखें आप ही हैं। ये कोशिश है कि जनसंवाद से जुड़े लोग मिलें, विचार करें। हम डिजिटल समय में हैं, जहां

रोज नया कंटेंट रचा जा रहा है। आज सामान्य व्यक्ति को भी अभिव्यक्ति का मंच मिला हुआ है। लेकिन ये लोगों तक मिली पहुंच बहुत बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। नकारात्मक, फेक व ट्रोलिंग के दौर में आपका कंटेंट रचनात्मक होना चाहिए। सोशल मीडिया से आप लाउड स्पीकर, कंटेंट क्रियेटर और कंटेंट रिफॉर्मर बन सकते हैं।

ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों को पूरे विश्व में फैलाएं-

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि आज विश्व को शांति की जरूरत है, शांति से एकता होती है और विश्वास जन्म लेता है। हमारे वेदों, शास्त्रों में भी यही शिक्षा दी गई है। हम तो शांति के दूत हैं। पूरे विश्व को शांति का संदेश देने वाले लोग हैं। भारत के संविधान की प्रस्तावना को देखेंगे तो पाएंगे हमारे यहां शांति, एकता विश्वास को जगह दी गई है। शांति का दीपक भी मीडिया के माध्यम से जलता है। ब्रह्माकुमारीज के जितने भी मीडिया महासम्मेलन हुए हैं, उनमें



पारित प्रस्ताव हुए हैं, अच्छी पत्रकारिता के लिए उससे अच्छी आचार संहिता हो ही नहीं सकती। हमें उसे सरकार को सौंपना चाहिए। हमें चाहिए कि समाज आगे बढ़े, देश विश्वगुरु बने, ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों को पूरे विश्व में फैलाएं।

इन्होंने भी किया संबोधित-

ब्रह्माकुमारीज मीडिया विंग के अध्यक्ष बीके करुणा भाई ने कहा कि हम वर्ष में दो बार मीडिया कॉन्फ्रेंस आयोजित करते हैं। हमारा उद्देश्य प्रचार नहीं बल्कि हर मानव को आनंद का अनुभव हो, इसलिए आयोजन करते हैं। मैंने स्वयं 26 वर्ष मीडिया में काम किया है। मोबाइल हर हाथ में होने के कारण न्यूज तो हवा के जैसे चल रही है। एक समय आध्यात्मिक खबरें प्रकाशित करने का निवेदन करते थे, आज हम देखते हैं कि अच्छी, आध्यात्मिक खबरें भी छपती हैं। हैदराबाद से आई मीडिया विंग की उपाध्यक्ष बीके सरला दीदी ने कहा कि स्वयं भगवान इस कॉन्फ्रेंस के स्रोत हैं। हमने ब्रह्माकुमारीज की इस वर्ष की थीम शांति, एकता और

विश्वास को बढ़ावा देने पर मंथन रखा है। इस दुनिया में सभी का कॉमन उद्देश्य होता है कि हम सब सुख-शांति से जीएं और आनंद से रहें। मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतनु भाई ने कहा कि देशभर से 1500 से अधिक पत्रकार आए हैं। जो प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम में सेवाएं देते हैं। ये हमारा परिवार बन गया है, हमारे बुलाने से सदा ही आबू पहुंच जाते हैं। मीडिया में विश्वसनीयता पैदा हो तो समाज में एकता भी हो जाएगी। मीडिया विंग की स्थापना वर्ष 1980 में हुई थी। कॉन्फ्रेंस में डॉ. सोहिनी शास्त्री, राष्ट्रपति पदक प्राप्त ज्योतिषी और लाइफ कोच कोलकाता और दिल्ली से आए डॉ. अजित पाठक, पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी संबोधित किया। आगरा से आई कथक और लोक नृत्य कलाकार रवेता सागर ने स्वागत नृत्य से चार चांद लगा दिए। रायपुर से पहुंची गायिका सारदा नाथ ने स्वागत गीत से सबका मन मोह लिया। जयपुर की जोनल कोऑर्डिनेटर बीके चन्द्रकला दीदी ने संचालन किया।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 तृतीय संस्करण का का शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

ग्रेटर नोएडा। चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग, उत्तर प्रदेश ने यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के तृतीय संस्करण में अपनी सक्रिय और गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रदेश के गन्ना किसानों एवं चीनी उद्योग की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं का व्यापक प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 तृतीय संस्करण के भव्य आयोजन का शुभारंभ देश के माननीय प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से हुआ, जिसमें प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजन के इस राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर गन्ना विकास विभाग की सहभागिता ने प्रदेश की कृषि-आधारित औद्योगिक शक्ति और गन्ना किसानों की भागीदारी को नए आयाम दिए।

हॉल संख्या 12 में स्थित स्टॉल संख्या 19/17 पर विभाग का स्टॉल



किसानों, उद्योग प्रतिनिधियों और आम आमंतुकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल को आधुनिक तकनीकी साधनों और रचनात्मक डिजाइन के माध्यम से इस प्रकार विकसित किया गया है कि यहाँ आगंतुक न केवल जानकारी प्राप्त कर सकें बल्कि गन्ना उद्योग और किसानों के बीच की साझेदारी को भी करीब से अनुभव कर सकें।

स्टॉल पर विभाग द्वारा निम्न बिंदुओं पर विशेष फोकस किया गया है।

1. आधुनिक तकनीक का उपयोग, गन्ना खेती एवं चीनी उद्योग में



डिजिटल और मशीनीकरण आधारित नई तकनीकों का प्रदर्शन। 2. किसानों का सशक्तिकरण, किसान हितेषी योजनाओं, सस्मिडी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी। 3. पर्यावरणीय संतुलन, गन्ना उद्योग से जुड़ी पर्यावरण-सुरक्षा और सतत विकास की पहलें। 4. भविष्य की संभावनाएँ, एथेनॉल उत्पादन, ग्रीन एनर्जी और वेल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स के माध्यम से गन्ना उद्योग के भविष्य की रूपरेखा।

स्टॉल पर भारी संख्या में किसान बंधु, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि तथा आम नागरिक आकर न केवल जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों और

योजनाओं की मुक्तकंठ से सलाहना भी कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश सरकार की 'किसान-केंद्रित विकास दृष्टि' आमजन तक पहुँच रही है और गन्ना किसानों का भविष्य अधिक उज्ज्वल हो रहा है। गन्ना विकास विभाग की यह सहभागिता न केवल एक प्रदर्शनी का हिस्सा है बल्कि यह प्रदेश के कृषि और औद्योगिक विकास की जीवंत झलक प्रस्तुत करती है। इस पहल से उत्तर प्रदेश न केवल गन्ना उत्पादन में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी पहचान को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि किसानों की आय वृद्धि और उद्योगों के आधुनिकीकरण की दिशा में भी ठोस कदम उठा रहा है।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

भोपाल। नारायण विद्यापीठ मंडौरा में विद्यार्थियों को सुशिक्षित एवं संस्कारवान बनाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अपने-अपने विषय के तीन विद्वान प्रोफेसर डॉ. राकेश राणा एम एम एच कॉलेज गाजियाबाद समाज शास्त्र विभाग से, विकास नागर शिक्षाविद एवं मस्तिष्क एकाग्रता विशेषज्ञ और भाई राजीव नवल जी मुख्य संपादक उलझन-सुलझन समाचार पत्र एवं वरिष्ठ समाजसेवी ने हिस्सा लिया बच्चों का मार्गदर्शन किया।

प्रो० (डा.) राकेश राणा जी ने क्लास रूम शिक्षा के अलावा शिक्षा ग्रहण करने के दूसरे व्यवहारिक तरीकों के अभ्यास करके बच्चे बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। इस बात पर विस्तार से प्रकाश डाला। वही विकास नागर जी ने मस्तिष्क एकाग्रता के कई टिप्स बच्चों को दिए और अभ्यास



कराये। मोटिवेशनल स्पेशलिस्ट भाई राजीव नवल जी ने आज के युग में प्रतियोगिता आधारित परफॉर्मेंस को कैसे सुधारे। बच्चों को बारीकी से उसके तरीके बताये। साथ ही श्री राजीव जी ने एक महान शिक्षाविद प्रबंधन विशेषज्ञ आई. आई. एम्. अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर डीन रहे

डॉ. जगदीप छोकर जी के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे डॉ० जगदीप छोकर ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की संस्थापना की और देश के लोकतंत्र को सुंदर और सशक्त बनाने के लिए चुनावी सुधारों के अभियान को आगे बढ़ाया। मतदाता जागरूकता जैसे मुद्दों को आमजन के समक्ष रखा, नोटा जैसे विकल्प दिलाये

तथा मृत्युपरान्त देह दान करके अपने जीवन को समाज और राष्ट्र को समर्पित कर दिया।

विद्यार्थी नवाचार सम्बन्धी शिक्षा मस्तिष्क की एकग्रता और स्व. जगदीप छोकर जी के जीवन उदाहरण से एक प्रेरणादायक सीख पाकर काफी उत्साहित दिखे। नारायण विद्यापीठ के संस्थापक प्रधानाचार्य, मेजर नारायण सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के अंत में सबका आभार प्रकट किया। विद्यालय की कोऑर्डिनेटर स्वीटी मैडम ने अतिथियों को स्कूल की गतिविधियों से अवगत कराया और बच्चों को आगंतुक विद्वानों के विचारों का अनुशरण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षकगण मांगिराम जी, जेन्स गौतम, रविश जी नवीन जी और कु आँचल गौतम तथा क्षेत्र के अन्य गण मान्य कई जिम्मेदार व्यक्ति भी मौजूद रहे। बाल संवाद की यह कार्यशाला सफल रही और सुखद अनुभवों वाली रही।

इंडियन योग एसोसिएशन का संकल्प...योग से करेंगे नशा मुक्त भारत!

इंडियन योग एसोसिएशन (IYA) विभिन्न भारतीय योग परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन है!

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। योग सेतु कार्यक्रम का आयोजन इंडियन योग एसोसिएशन (IYA) - दिल्ली राज्य चैप्टर के तत्वावधान में अगुव्रत भवन, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली में रविवार 21 सितम्बर को किया गया। समारोह का उद्घाटन आध्यात्म साधना ट्रस्ट के न्यासी एवं इंडियन योग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष के.सी. जैन, IYA फाउंडेशन कमेटी सदस्य एवं शिवानंद योग नटराज सेंटर से पी.सी. कपूर, आर्ट ऑफ लिविंग के फैकल्टी मेंबर राजीव ढल, IYA दिल्ली राज्य चैप्टर के अध्यक्ष वी. श्रीनिवासन, उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, एडवोकेट नेहा सारस्वत, सचिव डॉ. विनोद कश्यप, संयुक्त सचिव मनोज गुप्ता, श्रीमती डिंपी मेदीरता, बनारसी दास चांदी वाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी के डायरेक्टर डॉ. सी.एस.राम ने दीप प्रज्वलित कर किया।

उन्होंने योग सेतु का अर्थ समझाया और सभी योग प्रेमियों और योग संस्थानों को एक छत के नीचे आने का निमंत्रण दिया, जो IYA का



भी उद्देश्य है। उन्होंने योग और उसकी सुगंध को घर-घर पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कअ द्वारा शुरू किए गए ' नशा मुक्त भारत' जैसे अभियान से जुड़ने की सलाह भी दी। श्रीनिवासन ने इस आयोजन को एक शिक्षाप्रद दीप बताया जहाँ हम अपने विद्वान वक्ताओं से अच्छी बातें सीख सकते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि योग को केवल शारीरिक/नियमित व्यायामों तक सीमित नहीं रखना चाहिए क्योंकि ये ध्यान और आत्म-साक्षात्कार की आंतरिक यात्रा की ओर ले जाते हैं। संक्षेप में, योग का अर्थ है चेतना के उच्चतर स्तर के साथ मिलन। के. सी. जैन ने बताया कि योग



भारत की परंपरा का एक महत्वपूर्ण अंग है और इसका दैनिक अभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है। श्री जैन ने बोध धर्म के साथ योग की जड़ों, भारतीय साधनों के बारे में विस्तार से बताया। शक्ति आहार, नियमित व्यायाम पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने जीवन की विभिन्न अवस्थाओं में शरीर और कोशिकाओं के विकास के बारे में भी बताया। उन्होंने आसन, प्राणायाम, श्वास लेने और छोड़ने के व्यायाम, विश्राम के प्रकारों के उचित तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया और सलाह दी कि योग के नियमित अभ्यास से कोशिका पुनर्जनन की दर में सुधार होता है।

IYA दिल्ली चैप्टर के सचिव डॉ.

उन्होंने शांति प्राप्त करने के लिए अनुशासन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अच्छे स्वास्थ्य और खुशी प्राप्त करने के तरीकों और साधनों के बारे में विस्तार से बताया। शक्ति आहार, नियमित व्यायाम पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने जीवन की विभिन्न अवस्थाओं में शरीर और कोशिकाओं के विकास के बारे में भी बताया। उन्होंने आसन, प्राणायाम, श्वास लेने और छोड़ने के व्यायाम, विश्राम के प्रकारों के उचित तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया और सलाह दी कि योग के नियमित अभ्यास से कोशिका पुनर्जनन की दर में सुधार होता है।



विनोद कश्यप ने कहा कि - वर्तमान परिस्थिति में हमारा प्रयास युवाओं और छात्रों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में योग के अत्यधिक महत्व को प्रदर्शित करना है। हम योग को स्कूलों में एक अभियान के रूप बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे जिससे भावी पीढ़ी शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ होकर संस्कारित बनें। उन्होंने कहा कि इस पुण्य कार्य के लिए हमें निस्वार्थ रूप से कार्य करने वाले लोग चाहिए जो हमारे साथ मिलकर टीम के रूप में काम कर सकें।

कार्यक्रम में 200 से अधिक योग छात्रों, शिक्षकों और योग साधकों ने भाग लिया। इंडियन योग एसोसिएशन

(IYA) के चेयरमैन श्री श्री रविशंकरजी का रिकॉर्ड किया गया वीडियो संदेश भी प्रदर्शित किया गया जिसमें उन्होंने IYA की भूमिका और योग, ध्यान के महत्व का वर्णन किया था। कार्यक्रम में अतिथियों ने कअ को घर-घर तक पहुँचाने के लिए कार्यरत योग साधकों और समर्पित कार्यकर्ताओं को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। कअ सेक्रेटरीएट से श्रीमती भावना पुरी, श्रीमती बबिता सक्सेना, मीडिया प्रभारी श्री दीपक रावत, दीपि, व अंकिता और दिल्ली राज्य चैप्टर के कोषाध्यक्ष श्री टी.एन. हसीजा को उनके द्वारा समर्पित रूप से कार्य करने के लिए विशेष अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।



भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष श्री देशराज ने बताया कि आज के समय में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक तनाव एक बड़ी समस्या है और इस समस्या का एकमात्र समाधान योग है। यदि हम प्रतिदिन योग का अभ्यास करें, साथ ही श्वास नियंत्रण (प्राणायाम) और ध्यान के बीच संतुलन बनाए रखें, तो हम तनाव से मुक्ति पा सकते हैं। योग तनाव मुक्ति का सबसे मूल मंत्र है और हमें इसे अपने जीवन में अवश्य अपनाना चाहिए। आर्ट ऑफ लिविंग के फैकल्टी मेंबर श्री राजीव ढल ने बताया कि ध्यान और योग का दैनिक अभ्यास हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और नई आशा लेकर आता

है। इसलिए हमें इन प्रयासों को जारी रखना चाहिए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्राणायाम है। इस अवसर पर बनारसी दास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी के निदेशक डॉ. सी.एस. राम ने बताया कि हमारे जीवन में ध्यान कितना महत्वपूर्ण है? उन्होंने सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक ध्यान अभ्यास भी कराया।

इस आयोजन को सफल बनाने में कअ दिल्ली चैप्टर की टीम व वॉलंटियर्स ने अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका निभाई। प्रमुख योगदानकर्ताओं में उपाध्यक्ष एडवोकेट नेहा सारस्वत, प्रवीण प्रभाकर, संयुक्त सचिव मनोज गुप्ता, श्रीमती डिंपी मेदीरता, कोषाध्यक्ष टी.एन. हसीजा,

छात्रवृत्ति से वंचित पांच लाख से अधिक छात्रों को दीपावली से पहले दी जाएगी छात्रवृत्ति: सीएम योगी

मुख्यमंत्री आईजीपी में छात्रवृत्ति वितरण समारोह में चार लाख छात्रों को वितरित की छात्रवृत्ति



यू.पी. ऑब्ज़र्वर



लखनऊ। अनुसूचित जाति-जनजाति के करीब पांच लाख छात्रों को संस्थान की ओर से डाटा अपलोड न करने की वजह से छात्रवृत्ति नहीं मिल पायी क्योंकि डाटा लॉक हो गया था। ऐसे छात्रों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति देने के लिए पैसा तैयार कर लिया गया है। छात्रवृत्ति से वंचित सभी छात्रों को दीपावली से पहले उनके खाते में छात्रवृत्ति भेज दी जाएगी। वहीं जिनकी वजह से छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिल पायी है, उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी ताकि आने वाले समय में ऐसी त्रुटि न हो। किसी भी देश और प्रदेश की आर्थिक प्रगति का पैमाना शिक्षा से शुरू होता है। ऐसे में छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आईजीपी में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने कई छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले छात्रवृत्ति वितरित की जाती थी, लेकिन छात्र के खाते में पहुंचती नहीं थी। इसमें मनमानी होती थी। वहीं जो छात्रवृत्ति छात्रों को सितंबर-अक्टूबर में प्राप्त होनी चाहिए थी, वह छात्रवृत्ति मार्च-अप्रैल तक पहुंचती थी। इसमें भी भेदभाव होता था। वर्ष 2016 में अनुसूचित-जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति ही नहीं दी गई। जब वर्ष 2017 में हमारी सरकार आई, तो हमने वर्ष 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति प्रदेश के एक-एक बच्चे को दी गयी। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा

आज 2025-26 में स्कॉलरशिप देगुनी हो चुकी है, डीबीटी के जरिये सीधे खाते में भेजी जा रही धनराशि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ 91 लाख, 2018-19 में 1,883 करोड़ 96 लाख, 2019-20 में 1,887.29 करोड़, 2020-21 में 1,505 करोड़ 53 लाख, 2021-22 में 1,581 करोड़ 42 लाख, 2022-23 में 1,813 करोड़ 97 लाख, 2023-24 में 2,608 करोड़ 13 लाख, 2024-25 में 2,861 करोड़ 38 लाख और 2025-26 में 3,124 करोड़ 45 लाख रुपये छात्रवृत्ति दी गयी। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ छात्रवृत्ति दी जाती थी और आज 2025-26 में स्कॉलरशिप देगुनी हो चुकी है। आज 3,124 करोड़ 45 लाख रुपये छात्रवृत्ति पिछड़े वर्ग के छात्रों को उपलब्ध करायी जा रही है। सरकार द्वारा लगातार राशि में वृद्धि करते हुए छात्रों को योजना से जोड़ा जा रहा है। सरकार द्वारा छात्रवृत्ति को तकनीक से बेहतर करने, ऑटिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से वैरिफिकेशन की कार्रवाई को आगे बढ़ाना, डीबीटी के माध्यम से छात्रों के अकाउंट में पैसा भेजने की कार्रवाई की जा रही है ताकि बीच में किसी का भी हस्तक्षेप न हो। सीएम ने कहा कि सरस्टेबल डेवलपमेंट गोलस, सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षा की बड़ी भूमिका है। दुनिया में जहां भी वंचित और उपेक्षित तबका है, अगर उन्हें विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो सबसे पहले उनकी प्रायोरिटी शिक्षा होती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में वंचित छात्रों को स्कॉलरशिप और शुल्क प्रतिपूर्ति की व्यवस्था के साथ जोड़ा जा रहा है।

9 से 12 वीं के अनुसूचित जाति-जनजाति और सामान्य जाति के 4 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी जा रही है। इसमें पहले चरण में 1 लाख 12 हजार छात्र छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 25,000 छात्र-छात्राएं सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक अनुसूचित जाति-जनजाति के 1 करोड़ 23 लाख छात्रों को 9,150 करोड़ रुपये की धनराशि

वितरित की गई है। यह पैसा डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा गया। वर्ष 2017-18 से 2024-25 में सामान्य वर्ग के 58 लाख 90 हजार छात्र-छात्राओं को 5,945 करोड़ रुपये उनके अकाउंट में भेजे गये।

कुछ लोग आत्मनिर्भर भारत के लिए फिर से बाधक बन कर रहे समाज को बांटने का काम कर रहे

सीएम योगी ने छात्रों से कहा कि आपके हाथों में आने वाली पीढ़ी का नेतृत्व आने वाला है, उसके लिए अभी से मानसिक रूप से तैयार रहिये। हम कैसा भारत चाहते हैं, इस पर अभी से

सोचना होगा। याद रखिएगा विभाजनकारी ताकतों ने देश को गुलाम बनाया था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

वहीं कुछ लोग आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए फिर से बाधक बन करके समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हमें बंटना नहीं है, हमें एकजुट होकर के बेहतर शिक्षा के लिए हर छात्र को स्कूल तक पहुंचाना है। हर छात्र और वंचित को स्कूली शिक्षा के साथ जोड़ना है। उसकी शिक्षा के उन्नयन के लिए प्रयास करना है।

हर छात्र को स्कॉलरशिप देने के लिए वन नेशन वन स्कॉलरशिप की व्यवस्था लागू की गई

सीएम ने कहा कि हमारे देश ने ही शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया। आरटीई के तहत हर छात्र स्कूली शिक्षा प्राप्त कर सके, इसे अनिवार्य किया गया है। वहीं हर छात्र स्नातक तक शिक्षा फ्री में प्राप्त हो सके, इसके लिए अनेक स्कॉम तैयार की गई और राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनायी गयी है। इसके अलावा हर छात्र को छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन नेशन वन स्कॉलरशिप' की व्यवस्था लागू की है। इसी को ध्यान में रखते हुए अकेले केवल वर्ष 2025-26 में वंचित वर्ग को 2,825 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की गयी है। वर्ष 2017 से 2025 तक 2 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। छात्रों को देखेंगे तो 2 करोड़ 7 लाख 53,457 छात्र-छात्राओं को पिछड़े वर्ग के 13,535 करोड़ से अधिक की राशि 2017-18 से 2024-25 के बीच में वितरित हुई है। यानी सरकार इस मामले में लगातार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और उस कार्यक्रम के साथ हर छात्र-छात्रा को जोड़ने का कार्य कर रही है। सरकार ने 2016-17 में पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था के संचालन के लिए 11 करोड़ से बढ़ाकर 35 करोड़ किया। इसी के साथ छात्रावासों के अनुदान के लिए भी धनराशि की व्यवस्था की गई है। सीएम ने कहा कि पहले कस्तूरबा गांधी विद्यालय आठवीं तक चलते थे, अब 12वीं तक संचालित हो रहे हैं। एक ही कैपस में गरीब घर के अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़े वर्ग की बेटियों की पढ़ाई की व्यवस्था की जा रही है। छात्रावास में रहने-खाने की व्यवस्था दी जा रही है, स्कॉलरशिप दी जा रही है, यूनिफॉर्म दिए जा रही है। बैरिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 1 करोड़ 60 लाख बच्चों के लिए दो यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, फ्री स्वेटर की भी व्यवस्था की जा रही है जिससे वे बच्चे पढ़-लिख जाएं।

करायी जा रही है। इन्हे सैनिक स्कूल के तर्ज पर आगे बढ़ाया जा रहा है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और पीएम श्री विद्यालय के माध्यम से शिक्षा के उन्नयन के लिए अनेक कार्यक्रम आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

सरकार यह सारे कदम इसलिए उठा रही है ताकि हर बच्चों अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण का आज का कार्यक्रम एक शुरुआत है। सीएम ने कहा कि सिर्फ चार लाख बच्चे नहीं बल्कि कई गुना बच्चों को छात्रवृत्ति देने के लिए सरकार ने बजट तैयार किया है। सीएम ने सभी संस्थानों से

आग्रह किया कि वह छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों का डाटा अपलोड करें ताकि दीपावली से उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके।

इस अवसर पर मंत्री नरेंद्र कश्यप, असीम अरूण, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, मेयर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद वृजलाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल, इं. अमनीश कुमार सिंह और विधान सभा सदस्य जया देवी आदि मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला का आयोजन

आज का आत्मनिर्भर भारत घर में घुसकर मारता है: प्रांशुदत्त द्विवेदी



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी गौतमबुद्धनगर ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा और संचालन जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर ने किया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सामाजिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का संदेश निरंतर देश भर में विभिन्न आयामों में गूंज रहा है। आज का आत्मनिर्भर भारत घर में घुसकर मारता है। आप्रेशन सिंदूर के दौरान भारत के पराक्रम को दुनिया देख चुकी है।

उन्होंने भारत को और मजबूत बनाने के लिये स्वदेशी उत्पादकों वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया। जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को गाँव, शहर, नगर में जाकर स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार प्रसार में लगना और दुकानदारों से सम्पर्क कर स्वदेशी उत्पादों वस्तुओं को बेचने खरीदने के लिये प्रेरित करना है। एमएलसी विधायक नरेन्द्र भाटी एवं जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने भी आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश की जनता स्वदेशी सामान का उपयोग करके आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाएगी। जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा कहा कि 28 सितम्बर से 30 सितंबर तक मंडलॉर पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यक्रमों का आयोजित की जाएगी।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव मदद करेगी। यह कहना है उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME), खादी, हथकरघा और वस्त्र मंत्री राकेश सचान का। उक्त बातें उन्होंने शुक्रवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन आयोजित भारत-रूस बिजनेस डायलॉग को संबोधित करते हुए कही।

मंत्री राकेश सचान ने रूस के अधिकारियों और कारोबारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन से भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

राकेश सचान ने कहा कि उत्तर प्रदेश 25 करोड़ से अधिक की आबादी वाला विशाल बाजार है, जो निवेशकों को स्थायी अवसर प्रदान करता है। यहां उद्योगों को उत्पादन और उपभोग दोनों स्तर पर मजबूती मिलती है। उन्होंने रूस से आग्रह किया कि अपनी उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में सहयोग करें। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो केवल एक मेला भर नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र और राज्य के विकास को नए क्षितिज से जोड़ने का उपक्रम है। हमें विश्वास जताना कि इस आयोजन से भारत-रूस कारोबारी रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे तथा निवेश और रोजगार के नए



अवसर खुलेंगे। रूस की प्रतिनिधि ज्लाटा अंटुशेवा ने कहा कि भविष्य में हमारे कारोबारी रिश्ते और अधिक प्रगाढ़ होंगे। वहीं, डॉ. अजय सहाय ने कहा कि भारत-रूस संबंध केवल ट्रेड तक सीमित नहीं हैं बल्कि मार्केट एक्सेस, शिपिंग रूट और इंश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में भी चुनौतियां और अवसर मौजूद हैं। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के विशाल दीनूरा ने एमएसएमई सेक्टर में सहयोग की उम्मीद जताई। वहीं



सहयोग से आज की साझेदारी तक

राकेश सचान ने कहा कि भारत के औद्योगिकीकरण के समर्थन करने के दिनों से आज रणनीतिक साझेदारी तक हमारा सहयोग रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और अब विभिन्न सेक्टरों तक विकसित हुआ है। हाल के वर्षों में यह साझेदारी और प्रगाढ़ हुई है तथा दोनों देशों के बीच व्यापार नई ऊंचाई पर पहुंच चुका है। भारत ने वर्ष 2025 तक रूस से अपने व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। सचान ने विश्वास जताया कि यह लक्ष्य अवश्य हासिल होगा।

नील का पत्थर साबित होगा बिजनेस डायलॉग

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में भारत-रूस बिजनेस डायलॉग दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा। डायलॉग का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने किया। इस अवसर पर कल्लेरी 23 वरु पर आधारित शॉर्ट मुवी भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम का संचालन रूस की डेप्युटी हेड ऑफ डीकोनॉमिक डिपार्टमेंट ज्लाटा अंटुशेवा ने किया और स्वागत भाषण डेप्युटी ट्रेड कमिश्नर डॉ. इवगेनी जैचेंको ने दिया।

रहा है और पावर, टेलीकॉम, ऊर्जा से लेकर डिफेंस तक दोनों देशों के मजबूत कारोबारी संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग 'कास्ट

इफेक्टिव और रिलायबल है और फार्मास्युटिकल सेक्टर में सहयोग के जरिए नई उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय व VGI में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2025 का भव्य आयोजन

“थिंक हेल्थ-थिंक फार्मासिस्ट” विषय पर राष्ट्रीय संगौष्ठी, पोस्टर मॉडल प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक व स्वास्थ्य जागरूकता रैली आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वीजीआई मेरठ में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2025 बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस वर्ष का थीम था - 'थिंक हेल्थ-थिंक फार्मासिस्ट'। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सी.वी. रमन सभागा में सरस्वती माँ की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस.आर. मालू, मोनार्क साइटिफिक के हेड निशांत सिंह, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, गलेक्स्को इंडिया के सीमान्त सक्सेना, औषधि निरीक्षक रुचि बंसल, चीफ फार्मासिस्ट प्रदीप



कुमार दास, कुलपति डॉ. कृष्ण कान्त दवे, डीन फामेसी डॉ. ओमप्रकाश गोसाई सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। दिनभर चले कार्यक्रम में राष्ट्रीय



संगौष्ठी, पोस्टर व मॉडल प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक और स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। छात्रों ने नुक्कड़ नाटक और रैली के माध्यम से ह्रस्वस्थ भारत-



दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इंडस्ट्री है, जिसमें सरकारी, निजी और स्वरोजगार के ढेरों अवसर मौजूद हैं। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए

कहा कि 'फार्मासिस्ट ने डॉक्टरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दवाओं से लेकर वैक्सीन तक मरीजों की सेवा में अहम भूमिका निभाई।' वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. एस0आर0

मालू ने कहा कि सुरक्षित और प्रभावी इलाज के प्रोटोकॉल में प्रशिक्षित फार्मासिस्ट की भूमिका चिकित्सक से कम नहीं है। वहीं वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने

प्रधानमंत्री की ह्रस्वस्थ भारत-आयुष्मान भारतहू जैसी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में फार्मासिस्ट को सबसे महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने फार्मा इंडस्ट्री में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और छात्रों को प्रेरित किया। डीन फामेसी डॉ. ओमप्रकाश गोसाई ने सभी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवा की शपथ भी दिलाई।

सेहत/स्वास्थ्य

नवरात्रि व्रत में ऐसे रहें फिट और एक्टिव! इन सुपरफूड्स से मिलेगी दिनभर भरपूर ऊर्जा



नवरात्रि का पर्व शुरू हो चुका है। ऐसे में साधक मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए 9 दिनों तक व्रत रखते हैं। देवी मां की पूजा-अराधना व उपवास रखते हैं। भक्त मां से मनचाह वर भी मांगते हैं। नवरात्रि में साधक 9 दिनों तक व्रत रखते हैं। व्रत में सात्विक और हल्का आहार लिया जाता है। इस अवधि में शरीर में एनर्जी और न्यूट्रिशन को होना भी काफी जरूरी है। अगर आप अपनी डाइट में पोषण से भरपूर चीजें खाते हैं, तो शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी नहीं होगी। न्यूट्रिशन की कमी

होने से शरीर में थकान, कमजोरी और इम्युनिटी पर असर पड़ता है। यदि आप नवरात्रि में इन चीजों का सेवन करते हैं, तो आप हेल्दी बनें रहेंगे।

मखाना खाएं

मखाने में सबसे ज्यादा पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह शरीर को काफी हेल्दी रखता है। मखाने में प्रोटीन, फाइबर और अन्य कई सारे न्यूट्रिएंट्स होते हैं। व्रत में मखाने खाने से कभी भी कमजोरी महसूस नहीं होती है और शरीर भी हेल्दी बना रहता है। मखाने

खाने से हार्ट हेल्थ बढ़िया बनी रहती है, हड्डियां मजबूत होती है और डाइजेशन भी बेहतर होता है।

साबुदाना

व्रत के दौरान साबुदान खाना हेल्दी हो सकता है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होती है जो शरीर को ऊर्जावान बनाता है। साबुदाना में कैल्शियम और आयरन की भरपूर मात्रा होता है, जो कि हड्डियों को मजबूत बनाता है और खून की कमी नहीं होने देता। नवरात्र के व्रत दौरान साबुदाना

नवरात्र के दौरान महिलाएं 9 दिनों तक व्रत रखती है। इस दौरान शरीर में काफी थकान और कमजोरी देखने को मिलती है। ऐसे में अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सही डाइट फॉलो करना भी है। वरना पोषण की कमी होने से शरीर कमजोर हो जाता है और फिर थकान भी परेशान करती है। ऐसे में आपको इन चीजों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।



सिंघाड़े का आटा

जरूर खाएं।

बादाम और किशमिश

भीगे हुए बादाम और किशमिश कई सारे पावरफुल न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इन दोनों चीजों में विटामिन्स और मिनरल्स की मात्रा काफी अधिक होती है। इनके सेवन से शरीर में थकान और कमजोरी नहीं होती है। सुबह के समय भीगी हुई किशमिश और बादाम खाने से शरीर पूरे दिन एनर्जेटिक बना रहता है।

व्रत के दौरान सिंघाड़े का आटा खाने से पेट की समस्या नहीं होती है। सिंघाड़े का आटे में फाइबर, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। इसके सेवन से पाचन बेहतरीन बना रहता है कब्ज की समस्या नहीं होती है। अक्सर होता है कि व्रत के दिनों में हमें इन डाइजेशन या एसिडिटी हो जाती है तो ऐसे में सिंघाड़े के आटे का सेवन करने से पेट की समस्या दूर हो जाती है।

ब्यूटी / फैशन

करवाचौथ पर चांद जैसा चेहरा चमकाना चाहते हैं, तो आज से शुरू कर दें ये 2 काम

सुहागिन महिलाओं के लिए करवाचौथ का त्योहार बेहद खास होता है। इस साल करवाचौथ त्योहार 10 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। यह समय बहुत ही खास है, जिसमें आप स्किन केयर कर सकती हैं। खासतौर पर महिलाएं इस दिन पर चांद जैसी खूबसूरत दिखना चाहती हैं। अगर आप महंगी से महंगी क्रीम लगा ले या फिर ब्यूटी सैलून से फेशियल करा लें, लेकिन फिर भी चेहरे की चमक खो जाती है। हालांकि, अगर आप घर में इस उपाय को करते हैं, तो आपकी त्वचा एकदम गुलाब के फूलों की तरह खिल जाएगी। इस उपाय के करने से आपकी स्किन ग्लोइंग और फर्गलिस दिखेगी। तो चलिए आपको बताते हैं इन उपायों के बारे में-

चेहरे को ग्लोइंग बनाएगा ये फेसपैक

अब महंगी क्रीम और फेशियल कराना छोड़ें! आप घर पर ही यह उपाय करें। आप मुलेठी और दही का फेस पैक नियमित तौर पर लगाएं। मुलेठी का पाउडर आपको बाजार में मिल जाएगा। यह आपकी स्किन को ब्राइट, पिगमेंटेशन हटाने और डीप क्लीन करने में मदद करेगा। यह आपकी



स्किन को ड्राइनेस को भी दूर करेगा। इससे आपकी स्किन हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनेंगी।

कैसे बनाएं फेस पैक

एक चम्मच मुलेठी पाउडर लेना और इसमें दही को मिला लें और एख बना लें। इसके बाद अपने चेहरे को साफ कर लें और फिर फेस पर अप्लाई करें।

इसको आप लगभग आधा घंटे के लिए फेस पर छोड़ दीजिए।

जब यह सुख जाए तो इसे हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए रिमूव करें। यह आपके चेहरे की डेड स्किन को खस कर देगा और स्किन को चमकदार बना देगा।

यदि आपकी ड्राई स्किन है, तो आप इस फेस पैक में आधा चम्मच तिल का तेल को एड कर सकते हैं।

नवरात्रि के पर्व के बाद करवाचौथ का त्योहार आता है। करवाचौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं रखती हैं। महिलाएं इस दिन अपने पति के लिए सजती-संवरती हैं। अगर आप भी करवाचौथ पर सुंदर दिखना चाहती हैं, तो अभी से कुछ रेमेडीज को फॉलो करना शुरू कर दें।



इससे आपकी स्किन माइश्राइज रहेगी और निखार भी मिलेगा।

पुदीने के पत्ते डालकर स्टीम लें

फेस पैक के इस्तेमाल के साथ ही आप इस उपाय को भी जरूर करें। अभी से आप स्टीम लेना शुरू कर सकते हैं।

15 दिनों के अंदर कम से कम आप 5 बार स्टीम जरूर लें। इसके लिए आप स्टीमर का यूज कर सकते हैं या फिर पत्तीले में कुछ पुदीने के पत्ते डालकर पानी गर्म कर लें। इसे आप चेहरे पर भाप ले सकते हैं। ऐसा करने से कील-मुंहासे, दाग-धब्बे, एक्ने और पिंपल दूर हो जाते हैं।

घरेलू नुस्खे

जिद्दी पसीने के दाग अब नहीं करेंगे परेशान, रसोई के इन नुस्खों से कपड़े चमक उठेंगे



अगर आपके फेवरेट कुर्ते पर भी पसीने के जिद्दी दाग लग गए हैं, जो हाथ की धुलाई और वॉशिंग मशीन की धुलाई के बाद भी नहीं जा रहा है। तो आज हम आपके लिए एक ऐसा नुस्खा लेकर आए हैं, जो मिनटों में आपके फेवरेट कुर्ते से पसीने के दाग हटा सकते हैं।

गर्मी का मौसम अपने साथ चिपचिपा पसीना लेकर आता है। जब भी पसीना आता है, तो कपड़ों पर इसका दाग लग जाता है। हल्के रंग और सफेद रंग के कपड़ों पर पसीने के अजीब पीले और भूरे दाग देखने में काफी ज्यादा गंदे लगते हैं। यह पसीने के दाग इतने ज्यादा जिद्दी होते हैं, जिनको साफ करने में काफी मुश्किल होती है। यह दाग स्टेन रिमूवल ट्रिक्स, हार्ड डिटर्जेंट और बार-बार ब्रश का इस्तेमाल करने से कपड़े की रंगत भी खराब होने लगती है।

अगर आपके फेवरेट कुर्ते पर भी पसीने के जिद्दी दाग लग गए हैं, जो हाथ की धुलाई और वॉशिंग मशीन की धुलाई के बाद भी नहीं जा रहा है। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके

लिए एक ऐसा नुस्खा लेकर आए हैं, जो मिनटों में आपके फेवरेट कुर्ते से पसीने के दाग हटा सकते हैं। इन नुस्खों के लिए आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा।

इस घोल से साफ करें पसीने के दाग

आज हम आपको कपड़ों से पसीने के दाग को हटाने के लिए हम दो तरह के घोल के बारे में बताते जा रहे हैं। इनमें से पहला घोल खीरे, कॉर्नस्टार्च और बेकिंग सोडा की जरूरत होगी। साथ ही यह भी जानेंगे कि इस घोल को कैसे बनाना है।

सामग्री

कॉर्नस्टार्च- 2 बड़े चम्मच
खीरा का रस- 2 बड़े चम्मच



बेकिंग सोडा- 1 बड़ा चम्मच
ऐसे बनाएं घोल

सबसे पहले एक खीरा को कट्टकस कर लें। फिर कपड़े की सहायता से निचोड़कर खीरे का रस निकाल लें। अब खीरे के रस में बेकिंग सोडा और कॉर्नस्टार्च डालकर अच्छे

से पेस्ट बना लें। जरूरत हो तो पेस्ट में थोड़ा सा खीरे का रस या पानी मिला सकती हैं।

ऐसे साफ करें पसीने का दाग

अब वह कपड़ा लें, जिस पर पसीने का दाग लगा है। दाग वाली जगह पर उस घोल को अच्छे से लगा

दें। घोल लगाने के बाद कपड़े को 20-30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद कपड़े पर थोड़ा सा पानी डालकर ब्रश की सहायता से रगड़ें। अब कपड़े को नॉर्मल पानी से धो लें। आप पाएंगी कि पसीने का दाग कपड़े से हट चुका होगा।

दूसरा तरीका

अगर आपके फेवरेट कुर्ते से पसीने का दाग साफ करने के लिए नमक और आलू की सहायता ले सकती हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि आलू और नमक कैसे पसीने के दाग को हटाने में मदद कर सकता है।

सामग्री

आलू- 2 बड़े
संघा या सामान्य नमक- 2 चम्मच

ऐसे बनाएं घोल

पसीने का दाग हटाने के लिए आलू को छीलकर उसे कट्टकस कर लें। फिर कट्टकस किए आलू में नमक डालकर 1-2 घंटे के लिए छोड़ दें। नमक डालने के बाद आलू रस छोड़ देगा। अब इस रस को कपड़े की सहायता से एक कटोरी में निचोड़कर निकाल लें।

ऐसे साफ करें पसीने के दाग

नमक और आलू से बना घोल पसीने के दाग वाले हिस्से पर सीधे तौर पर लगाएं। इस घोल को लगाने के बाद कपड़े को 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। अब दाग वाली जगह को ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ें और इसके बाद नॉर्मल पानी से कपड़े को धो लें।

पर्यटन

गुजरात का गौरव 'रानी की वाव': जहाँ हर सीढ़ी पर दिखता है भारतीय कला और इतिहास



रानी की वाव का निर्माण 11वीं शताब्दी में सोलंकी वंश की रानी उदयमती ने अपने पति राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में करवाया था। इस कारण इसका नाम 'रानी की वाव' पड़ा। यह संरचना न केवल प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि उस युग की स्थापत्य दक्षता का भी अद्भुत उदाहरण है।

कलात्मक सौंदर्य

बावड़ी की नक्काशी इतनी बारीक है कि पत्थरों पर बने चेहरे, आभूषण और मुद्राएँ जीवंत प्रतीत होती हैं। इसमें दशावतार (विष्णु के दस अवतार) की मूर्तियाँ विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

वर्तमान स्थिति और पर्यटन

रानी की वाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अस्क) द्वारा संरक्षित है। हर वर्ष हजारों पर्यटक यहाँ आते हैं। 2014 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया और 2016 में इसे भारत की नई 100 के नोट की डिजाइन पर भी स्थान दिया गया।

यहाँ अक्सर रानी की वाव फेस्टिवल भी आयोजित किया जाता है, जिसमें लोकनृत्य, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

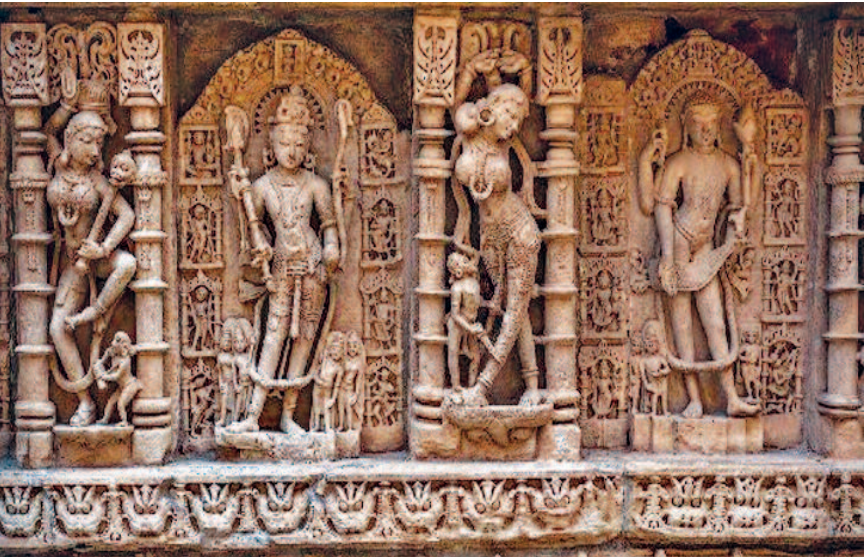
कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: अहमदाबाद (लगभग 125 किमी)

रेलवे स्टेशन: मेहसाणा और पाटन

सड़क मार्ग: अहमदाबाद और गांधीनगर से पाटन तक सड़क द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है।

रानी की वाव भारतीय शिल्पकला, स्थापत्य और संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है। यह न केवल जल प्रबंधन का एक प्राचीन और वैज्ञानिक मॉडल है बल्कि प्रेम, श्रद्धा और कला की जीवित मिसाल भी है। पाटन आने वाला हर यात्री इस धरोहर को देखकर भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा पर गर्व महसूस करता है।



पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर जिला संगोष्ठी का आयोजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र के दुल्हन बैंकनेट हॉल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर जिला संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा जी रहे, जिन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद दर्शन और उनके राष्ट्रहितकारी विचारों पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम

की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चौधरी चैनपाल सिंह ने की। इस अवसर पर लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच जी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्श और सिद्धांत आज भी समाज के समग्र विकास एवं राष्ट्र निर्माण का सशक्त मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम में नगर

पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, शहर अध्यक्ष आकाश शर्मा, सतवीर राघव, गन्ना समिति अध्यक्ष राजन चौधरी, सतेंद्र त्यागी, स्वदेश जैन, जितेंद्र चित्तौड़ा, अमित चौधरी (कार्यक्रम संयोजक), नगर पंचायत निवाड़ी अध्यक्ष अनिल त्यागी, नवनेंद्र गोंड, राजेंद्र वाल्मीकि, नितिन मित्तल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, एनसीआर, मोदीनगर ने अपने नए छात्रों के लिए एक रोमांचक शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत को चिह्नित करते हुए अपना पहला ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'आगाज 2025' आयोजित किया। समारोह की शुरूआत एक पवित्र दीप प्रचलन समारोह और एक भावपूर्ण सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसने एक प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक अनुभव के लिए स्वर निर्धारित किया।

डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. डॉ. डी.के. मोदी ने एक गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। प्रो. (डॉ.) पी.एन. हरीकेश, कुलपति ने विश्वविद्यालय की वैश्विक दृष्टिकोण और उद्योग-शिक्षा सहयोग के लिए दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए सभा को संबोधित किया।



किया। उन्होंने कार्यक्रमों, सुविधाओं, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, परीक्षा प्रक्रिया आदि के बारे में जानकारी भी प्रदान की, जिसमें पारदर्शिता और गहन समझ के महत्व पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी अजय प्रजापति ने छात्रों के लिए उपलब्ध करियर अवसरों पर एक सूचनात्मक सत्र प्रस्तुत किया, जिसमें विश्वविद्यालय के मजबूत

उद्योग संबंधों और प्लेसमेंट रिकॉर्ड पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को संभावित करियर पथ और उपलब्ध समर्थन के बारे में ज्ञान से लैस करना था। कार्यक्रम में श्री यू.एन. मिश्रा, डॉ. शशि कुमार नायर, श्री संजय गुप्ता, लेफ्टिनेंट जनरल अमित सरिन, श्री अतुल सिंह, श्री राज कुमार तायल, कैप्टन राजीव सक्सेना, श्री डी.सी. शर्मा, डॉ. वी.पी. सिंह, श्री सतीश कुमार गोयल, श्री

मेघराज शर्मा, श्री तरुण कुमार, डॉ. रीता बख्शी, कार्यकारी निदेशक, निदेशक, प्राचार्य, प्रधानाध्यापकों, संकाय सदस्य, छात्र और अभिभावकों सहित प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही। उनकी भागीदारी ने एक मजबूत शैक्षणिक समुदाय के निर्माण के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आगाज 2025' ने नए छात्रों के लिए विश्वविद्यालय के

बुनियादी ढांचे, संकाय और पाठ्यक्रम से परिचित होने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिससे शैक्षणिक जीवन में एक सहज संक्रमण सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम की सफलता डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय की एक पोषक वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो छात्रों को अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाता है।

महाराजा अग्रसेन की जयंती पर भंडारे का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। दिल्ली मेट्र हाईवे स्थित छतरी वाला मंदिर में मंगलवार को महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर महाराजा अग्रसेन परिवार, मोदीनगर द्वारा विशाल भण्डारों का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सम्प्रदाय लोगों ने हिस्सा लेते हुए लोगों को प्रसाद वितरित किया और अग्र बन्धुओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम का शुभआरम्भ महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वालित कर किया गया। जिसके बाद कार्यक्रम में मौजूद रहे लोगों ने अपने हाथों से सैकड़ों लोगों

को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम का सोजन्म महाराजा अग्रसेन परिवार के संजय गुप्ता, चुरगोल बिन्दल, प्रमोद सिंघल, राजकुमार गुप्ता एडवोकेट, राजू तायल, पिपुष गुप्ता, अजय

जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, मोदीनगर मण्डल अध्यक्ष आकाश शर्मा, अमित चौधरी, गन्ना समिति के चेयरमैन राजन चौधरी, पूर्व चेयरमैन अशोक माहेश्वरी, डॉ पवन सिंघल, अरविन्द अग्रवाल, भूपेन्द्र अग्रवाल, अशोक गुप्ता, प्रिंस कंसल, आशीष विरनोई एडवोकेट, महेश तायल, राजकुमार तायल, निशा जायसवाल, प्रदीप कंसल, अजय गुप्ता, ललित मित्तल, मूलचन्द गर्ग, अशोक गुप्ता, रामआसरे शर्मा, डॉ मुकेश गर्ग, रामेश्वर दयाल गुप्ता, निशा जायसवाल, अमित सेन, प्रदीप बांस, पवन अग्रवाल, काफी संख्या में सभासदगण आदि सैकड़ों अग्र बन्धु उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के अंतर्गत श्रमदान रैली का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के अंतर्गत श्रमदान रैली का आयोजन। स्थानीय डॉ के एन मोदी साईंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर एवं नगर पालिका परिषद मोदीनगर के संयुक्त तत्वाधान मे शासन के आदेशों के अनुक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद विनोद वैशाली तथा नरेंद्र मोहन मिश्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मोदीनगर के निर्देशन तथा कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर एवं लेफि टनैट राजीव जांगिड के नेतृत्व में एक तारीख, एक घंटा, एक सायद्धश्रमदान के अवसर पर श्रमदान रैली का आयोजन किया गया। रैली को कॉलेज के प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली को रवाना करने से पूर्व एन सी सी कैडेट एवं छात्रों ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा सभी छात्रों को सप्ताह में एक बार श्रमदान करने हेतु प्रेरित करते हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। इसके उपरान्त श्रमदान रैली राष्ट्रीय



राजमार्ग होते हुए बस स्टैंड मोदीनगर पहुँची तथा वहाँ स्वच्छता अभियान चलाकर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा सभी को श्रमदान करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल ने सभी से स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 को सफल बनाने एवं अपने परिवेश में स्वच्छता के लिए सभी को जागरूक कर राष्ट्र के विकास में योगदान देने की बात कही। कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने कहा श्रमदान महानदान है छात्रों, एन सी सी कैडेट्स एवं शहर के सभी नागरिकों को अपने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए समय समय पर श्रमदान करते रहना चाहिए। रैली विद्यालय से चलकर राष्ट्रीय राजमार्ग होते हुए बस

स्टैंड, तरंग रोड, गुरुद्वारा रोड होते हुए विद्यालय में सम्पन्न हुई। रैली के दौरान सभी कैडिट हाथों में प्ले कार्ड ,बैनर आदि के माध्यम से लोगों को स्वच्छता और श्रमदान के प्रति जागरूक करते नजर आए। श्रमदान रैली को सफल बनाने में जिला कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद कुमार, एस बी एम टीम कोर्डिनेटर शिवानी कुंडू के अतिरिक्त एस बी एम टीम से आशीष वत्स, दीपांशु सैनी, हिमांशु शर्मा, मोनिस, विपिन, समीर, विजय, एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर, लेफ्टिनेंट राजीव जांगिड़, सी टी ओ डॉ विजय शंकर सिंह, हवलदार दीक्षित, कैडेट पुष्कर, श्याम, आयुष, शिवांशु यादव, संदीप, कुपाल, निकुंज आदि की भूमिका सराहनीय रही।

गाँव कुसेड़ी लहोड़डा में चलाया सदस्यता अभियान



मोदीनगर। सिवाल खास के सदस्यता प्रभारी रणवीर दहिया ने कुसेड़ी गाँव लहोड़डा मे चलाया सदस्य अभियान। गाँव कुसेड़ी मे योगेंद्र मुखिया के निवास पर हुई बैठक जिसकी अध्यक्षता तिकाराम मास्टर ने की। प्रभारी रणवीर दहिया ने देश के पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य कर पार्टी को मजबूत करने की अपील की वही योगेंद्र पतला सचिन चौधरी मोनु ढिंडाला ने भी विचार रख कर पार्टी को मजबूत करने की बात कही। इस मौके पर कुलदीप राजेंद्र गौतम आर पी सिंह राककुमार बीरपाल गाँव लहोड़डा मे आवोजित कार्यक्रम आजाद वीर के निवास पर हुआ। रणवीर दहिया सदस्यता प्रभारी ने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जुड़ने की अपील की। इस मौके पर महावीर सिंह तेजवीर सिंह प्रेम पाल जितेंद्र सिंह शुक्पाल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

साइबर क्राइम के बारे में अधिकारियों ने किसानों को जागरूक किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नगर पंचायत निवाड़ी मे पूर्व चेयरमैन अनिल त्यागी के आवास पर कई विभागों के अधिकारियों ने किसानों को साइबर क्राइम, जन औषधि, इफको खाद, सहकारिता इन सभी विभागों के अधिकारियों ने आकर किसानों को इन सभी की जानकारीयां दी किसानों के हेल्थ पॉलिसी के कार्ड भी बनाए गए जिससे किसान बीमार होने पर किन-किन अस्पतालों में अपना इलाज करा सकता है साइबर क्राइम के बारे में भी अधिकारियों ने किसानों को जागरूक किया कि आजकल डिजिटल का जमाना है। साइबर क्राइम से कैसे सावधान रहना है इसके बारे में जानकारी दी किसानों के खेतों में क्या-क्या दवाइयां का इस्तेमाल होना चाहिए क्योंकि



आजकल गेहूँ में धान में गन्ने में किसानो को अभाव के कारण अनाप-शनाप दवाई लगाकर जहर खाने को मजबूर हो रहे हैं। किसानों को बताया की आपको क्या-क्या दवाई इस्तेमाल करनी है जिससे धान गेहूँ गन्ने की फसल से हमें कौन-कौन सी दवाई इस्तेमाल करने पर जो फसल हम उगाएंगे उसको

खाने में इस्तेमाल करने पर कोई बीमारी पैदा ना हो इसके बारे में भी जानकारी दी गई यूरिया कम से कम इस्तेमाल करने की विधि भी बताई नगर पंचायत निवाड़ी के किसानों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया मुख्य अतिथि इफको के डायरेक्टर प्रताप सिंह, भारतीय किसान यूनियन किसान सभा राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी, कोऑपरेटिव सोसाइटी

के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार वर्मा, रुद्र प्रताप त्यागी, पूर्व अध्यक्ष संजीव त्यागी, सभासद विक्की त्यागी, कृष्ण आर्य, नरेश त्यागी, जय भगवान पौजी, अरुण त्यागी, चतुर्भुज त्यागी, सुबोध त्यागी मनोज त्यागी रजनीश त्यागी बबलू त्यागी, मनीष कुमार, अंकित कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाडबेर, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गुलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥ श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ ॥

रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेट्र रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।